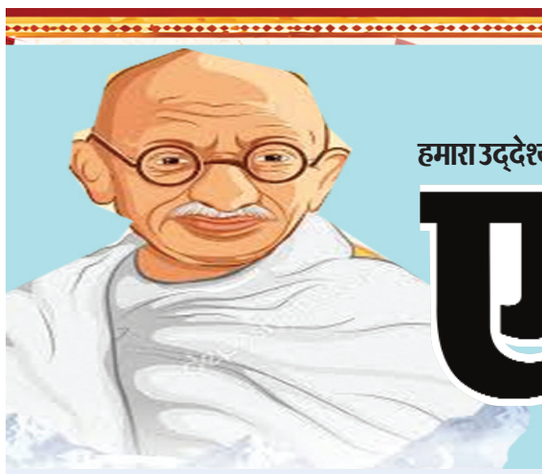
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र



हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

गांधी जयंती

जिले का प्रथम दैनिक समाचार पत्र स्थापना वर्ष 2020

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | गौरेला पेंड्रा मरवाही, शुक्रवार 02 अक्टूबर 2026 | वर्ष-07, अंक-93 पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

न्यूज इन शॉर्ट

सूरत में 3 हत्याएं, पति-पत्नी ने 4 साल छिपाया राज- सास, नानी और बहन की जान ली



नई दिल्ली। गुजरात के सूरत जिले के कोसांबा में तीन महिलाओं की हत्या का 4 साल बाद खुलासा हुआ है। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच और कोसांबा पुलिस ने वडफालिया में एक घर के आंगन से मानव कंकाल बरामद किए।पुलिस के मुताबिक, माधवदास और उसकी पत्नी उर्मिला पर तीनों महिलाओं की हत्या का आरोप है। मृतकों में उर्मिला की नानी शांताबेन, बहन भगवतीबेन और माधवदास की मां मंजुलाबेन शामिल हैं।मामला तब सामने आया जब माधवदास ने पत्नी को हत्या में फंसाने के लिए पुलिस में शिकायत की। जांच में हत्याओं का खुलासा हुआ।

पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने पंजाब पुलिस को कब मिलेगा स्थायी मुखिया



नई दिल्ली। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार को निर्देश दिया है कि वो पंजाब पुलिस के लिए जल्द से जल्द नियमित पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नियुक्त करें। ये आदेश अधिवक्ता निखिल थमम्न की और से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया गया। सुनवाई के दौरान पंजाब सरकार ने कोर्ट को बताया कि इस मामले में सुप्रीम कोर्ट पहले ही संज्ञान ले चुका है और सरकार ने वहां अपना अनुपालन शपथपत्र भी दाखिल कर दिया है। इस शपथपत्र की कॉपी हाईकोर्ट में भी पेश की गई।सरकार ने बताया कि पंजाब के डीजीपी की नियुक्ति के लिए यूपीएससी द्वारा तैयार किए गए अधिकारियों के पैनल पर राज्य सरकार विचार कर रही है।

इसके बाद हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार को नियमित डीजीपी नियुक्त करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने पंजाब के मुख्य सचिव को इस संबंध में एक अनुपालन शपथपत्र दाखिल करने को भी कहा है। इस मामले की अगली सुनवाई 13 अक्टूबर 2026 को होगी।

पिछले 4 सालों से नहीं हैं नियमित डीजीपी

याचिका में कहा गया है कि पंजाब में पिछले चार वर्षों से अधिक समय से नियमित डीजीपी नहीं है। पंजाब पुलिस के सबसे बड़े पद का काम फिलहाल अतिरिक्त प्रभार के आधार पर चलाया जा रहा है। याचिकाकर्ता अधिवक्ता निखिल थमम्न का कहना है कि इतने लंबे समय तक डीजीपी का पद अतिरिक्त प्रभार पर रखना उचित नहीं है।

देश को कैप्टन मछार पर गर्व है- पीएम मोदी

एक हिंदुस्तानी ने 9/11 होने से बचा लियाज पीएससी के कार्यक्रम में पीएम मोदी ने किया स्मित मछार की जांबाजी का जिक्र, कहा- भारत का गौरव बढ़ाया

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को पीएससी के शताब्दी समारोह में भी भारतीय पायलट स्मित मछार की जांबाजी का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एक हिंदुस्तानी ने 9/11 होने से बचा लिया। दुबई से तेल अवीव जाने वाली फ्लाईदुबई की फ्लाइट का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा, कल जो एक घटना घटी और भारत के कैप्टन स्मित ने जिस प्रकार से धैर्य, सूझबूझ और साहस का परिचय दिया और जैसे आज इजराइल के



प्रधानमंत्री ने कहा कि इस हिंदुस्तानी ने 9/11 होने से बचा लिया। हर देशवासी को स्मित का ये पराक्रम गौरव से भर देता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि आज मेरी उनके (स्मित मछार) पिता भूपेंद्र भाई, उनकी माता गीता बहन और पत्नी सोनल से भी बातचीत हुई। आज पूरी दुनिया उनपर गर्व कर रही है। मैं देशवासियों से प्रार्थना करता हूं कि हम सब स्मित के उत्तम स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करें और भारत का गौरव बढ़ाने वाले भाई स्मित का अभिनंदन करें। बता दें कि भारतीय पायलट मछार विमान में सवार 180 लोगों की जान बचाई।इस कार्यक्रम से पहले भी पीएम मोदी ने ट्वीट कर भारतीय पायलट स्मित मछार के हौसले और साहस की तारीफ की थी। कैप्टन स्मित मछार एक हीरो हैं। बेहद खतरनाक हालात और गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद उन्होंने दूसरों की जान बचाई।

हर तरफ हो रही मछार की तारीफ

कैप्टन स्मित मछार की इस बहादुरी की दुनिया भर में तारीफ हो रही है। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने उन्हें सच्चा हीरो बताया। इजराइल के राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग ने भी स्मित की तारीफ की। उन्होंने कहा कि हम स्मित के आभारी हैं। उन्होंने जान जोखिम में डालकर कॉकपिट खोला। उधर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी स्मित की तारीफ में कसीदे पढ़े। उन्होंने स्मित को हीरो बताया। घायल होने के बावजूद भी उन्होंने अदम्य साहस दिखाते हुए 180 लोगों की जान बचाई और विमान को क्रैश होने से बचा लिया।



प्रधानमंत्री मोदी के न्योते पर भारत आएंगे स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाइ पार्मेलिन, पांच अक्टूबर से तीन दिवसीय दौरा

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाइ पार्मेलिन 5 से 7 अक्टूबर तक भारत की यात्रा पर रहेंगे। इस वर्ष यह उनका दूसरा भारत दौरा है। इस यात्रा के दौरान व्यापार, टेक्नोलॉजी और निवेश समेत कई अहम मुद्दों पर द्विपक्षीय बातचीत होगी।झअखिलेश जहां चूके, वहां चलेगी मास्टरकार्ड, राज्यसभा चुनाव में गैर-यादव हक्क और गैर-जाटव दलित पर निगाहेंप्रियंका चतुर्वेदी शट अप, फ्लाईदुबई मामले में पाकिस्तान का नाम लेने पर बिलबिला उठीं बीना शाह, फिर मिला करारा जवाब

पीएम मोदी ने दिया था निमंत्रण

इस यात्रा के दौरान उनके साथ वरिष्ठ अधिकारियों और कारोबारियों का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी होगा। इस यात्रा के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने नि?मंत्रण दि?या था।मंत्रालय ने बताया कि? भारत के राष्ट्रपति की स्विट्जरलैंड की आखिरी राजकीय यात्रा 2019 में हुई थी। इसके पहले प्रधानमंत्री मोदी ने 2016 में स्विट्जरलैंड की आधिकारिक यात्रा की थी और इसके बाद 2018 में भी वहां गए थे। भारत-स्विट्जरलैंड सहयोग की प्रगति की होगी समीक्षा मंत्रालय ने बताया कि पांच अक्टूबर को प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पार्मेलिन के बीच द्विपक्षीय बातचीत होगी। दोनों नेता कई क्षेत्रों में भारत-स्विट्जरलैंड सहयोग की प्रगति की समीक्षा करेंगे। इनमें व्यापार, निवेश, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार, गतिशीलता और संस्कृति और जनसंपर्क जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

मल्चिंग पद्धति से सब्जी उत्पादन कर दीप महिला समूह ने पत्ता गोभी से कमाए 8 लाख रुपए

बिहान से आत्मनिर्भरता की राह पर ग्रामीण महिलाएं, कलेक्टर ने सराही मेहनत और हुनर

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला पेंड्रा मरवाही

ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' से जुड़कर जिले की महिलाएं खेती, पशुपालन और पारंपरिक कला को आजीविका का मजबूत माध्यम बनाकर आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिख रही हैं। कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने आज महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा संचालित विभिन्न आजीविका गतिविधियों का अवलोकन किया और समूह की महिलाओं से सीधे संवाद कर उनके व्यवसाय, उत्पादन और आमदनी की जानकारी ली। कलेक्टर ने दीप महिला स्व-सहायता समूह अमरपुर की महिलाओं से मुलाकात की। समूह की सदस्य श्रीमती रिंकी गुप्ता ने बताया कि समूह द्वारा लगभग तीन एकड़ भूमि लीज पर लेकर आधुनिक मल्चिंग पद्धति से सब्जी उत्पादन किया जा रहा है। वर्तमान में टमाटर की खेती की गई है। इससे पहले समूह ने पत्ता गोभी का उत्पादन कर लगभग 8 लाख रुपए की आय अर्जित की है। कलेक्टर ने महिलाओं की मेहनत और आधुनिक कृषि तकनीक अपनाकर आय बढ़ाने के प्रयासों की सराहना की। इसके बाद कलेक्टर ने जय मां संतोषी महिला स्व-सहायता समूह कोडगार की



महिलाओं से मुलाकात कर उनकी आजीविका गतिविधियों की जानकारी ली। समूह की सदस्य श्रीमती फूलबाई द्वारा पोल्ट्री, शूकर पालन के साथ मिट्टी से मटका, दीया, पैना, गुल्लक, तवा सहित विभिन्न उपयोगी एवं कलात्मक सामग्रियों का निर्माण किया जा रहा है। कलेक्टर ने इन उत्पादों का अवलोकन कर उनके हुनर की प्रशंसा की और स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करते हुए कीमत अदा कर मिट्टी से निर्मित तवा भी खरीदा। फूलबाई ने बताया कि विभिन्न आजीविका गतिविधियों से उन्हें प्रतिमाह लगभग 10 से 12 हजार रुपए की आमदनी हो रही है। कलेक्टर ने उन्हें अपनी आय को और बढ़ाने तथा गतिविधियों का विस्तार करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने घर की छत पर पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर पैनल लगवाने का सुझाव देते हुए योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री मुकेश रावटे भी उपस्थित रहे।



न्यूज इन शॉर्ट

धमतरी में एंबुलेंस ट्रैक्टर से टकराई, नर्स की मौत

धमतरी। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में नेशनल हाईवे-30 पर रायपुर से जगदलपुर लौट रही एंबुलेंस पहले डिवाइडर से टकराई और फिर ट्रैक्टर-ट्रॉली से जा भिड़ी। हादसे में नर्स शबनम खान (35) की मौत हो गई, जबकि बाकी 3 लोग घायल हो गए। जिन्हें जिला अस्पताल में एडमिट किया गया है।

जानकारी के मुताबिक एम्बुलेंस रायपुर से जगदलपुर लौट रही थी, जिसमें 72 साल के राजेंद्र खत्री का शव रखा था और और उनके परिजन भी साथ लौट रहे थे। हादसे में मृतक के बेटे देवेंद्र खत्री, पत्नी उषा खत्री और बेटी मीनाक्षी घई घायल हुए हैं। घटना अर्जुनी थाना क्षेत्र की है।

एंबुलेंस में पहले से रखी थी डेड बॉडी

दरअसल, जगदलपुर के कंगोली डोंगरीपारा के रहने वाले राजेंद्र खत्री को इलाज के लिए डिमरापाल से रायपुर के एसएमसी अस्पताल ले जाया गया था। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद राजेंद्र खत्री का शव एंबुलेंस से परिजन के साथ जगदलपुर वापस ले जाया जा रहा था।

पहले डिवाइडर से टकराई, फिर ट्रैक्टर-ट्रॉली से भिड़ी

बताया जा रहा है कि धमतरी के संबलपुर के पास एंबुलेंस चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया। एंबुलेंस पहले डिवाइडर से टकराई और इसके बाद सामने चल रही ट्रैक्टर-ट्रॉली से जा भिड़ी। टक्कर के दौरान एंबुलेंस में साइड में बैठी नर्स शबनम खान गंभीर रूप से घायल हो गईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।हादसे में राजेंद्र खत्री के बेटे देवेंद्र खत्री, उनकी पत्नी उषा खत्री और बेटी मीनाक्षी घई को चोट आई है। तीनों को 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल लाया गया, जहां उनका इलाज किया गया। नर्स शबनम खान के शव को वरदान एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया गया।हादसे की सूचना मिलने पर अर्जुनी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बिलासपुर में शिव घाट बैराज की सड़क बंद

बिलासपुर बिलासपुर में शिव घाट बैराज से सरकंडा की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग पर रोजाना घंटों जाम लगता था। इससे वाहन चालकों के साथ स्कूली बच्चों और राहगीरों को भी आवाजाही में परेशानी हो रही थी। परेशान लोगों ने विरोध-प्रदर्शन कर जमकर नारेबाजी की। इसके बाद प्रशासन ने सड़क पर वाहनों की आवाजाही बंद कर दी है। रास्ते पर अस्थाई बैरिकेड लगाकर वाहनों को रोक दिया गया है।

दरअसल, बैराज बनने के बाद सड़क का निर्माण अधूरा रह गया है। एप्रोच रोड की हालत खराब है और जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बैराज निर्माण के दौरान सड़क को दोनों तरफ करीब 10 फीट चौड़ा करने की बात कही गई थी, लेकिन चौड़ीकरण का काम अब तक पूरा नहीं हुआ। इसके बावजूद प्रशासन ने बैराज से वाहनों की आवाजाही शुरू करा दी। सड़क की खराब हालत और पर्याप्त चौड़ाई नहीं होने के कारण यहां आए दिन जाम लगने लगा था।शिव घाट बैराज से सरकंडा जाने वाले मार्ग पर सुबह से शाम तक वाहनों का दबाव रहता है। सड़क संकरी होने और वाहनों की संख्या ज्यादा होने से कई बार लंबा जाम लग जाता था। लोगों का कहना है कि रास्ता आम लोगों के लिए खोल दिया गया, लेकिन सड़क निर्माण और चौड़ीकरण का काम पूरा नहीं किया गया। इससे रोजाना ट्रैफिक की समस्या बनी रहती थी।स्थानीय लोगों के मुताबिक सड़क की हालत भी खराब है। जगह-जगह बड़े गड्ढे होने से दोपहिया वाहन चालकों को सबसे ज्यादा परेशानी होती है। लोगों का दावा है कि इस मार्ग पर हुए हादसों में दो लोगों की मौत हो चुकी है। सड़क की बदहाली को लेकर लोगों में नाराजगी बढ़ रही है।

नगर मंत्री आयुषी साहू ने कहा- नारी अबला नहीं सबला है

अभाविप कोरिया द्वारा तेजस्विनी रानी लक्ष्मी बाई युवती सम्मेलन का आयोजन 'पंच परिवर्तन' के माध्यम से सामाजिक परिवेश मे युवतियों की भूमिका का दिया संदेश

महेंद्र शुक्ला ➤ बैकुंठपुर कोरिया

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा आयोजित युक्ति सम्मेलन में 'पंच परिवर्तन' विषय को केंद्र में रखते हुए समाज और राष्ट्र के प्रति युवाओं की भूमिका पर सार्थक विचार-विमर्श किया गया। सम्मेलन में सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, 'स्व' आधारित जीवनशैली एवं स्वदेशी तथा नागरिक कर्तव्य को समाज में सकारात्मक परिवर्तन के पांच प्रमुख आधार के रूप में प्रस्तुत किया गया।वक्ताओं ने कहा कि पंच परिवर्तन केवल चर्चा या भाषण का विषय नहीं, बल्कि दैनिक जीवन में अपनाने वाली जीवन-पद्धति है। व्यक्ति के आचरण में सकारात्मक बदलाव से परिवार, परिवार से समाज और समाज से राष्ट्र के निर्माण



की यात्रा आगे बढ़ती है। इसी भावना के साथ उपस्थित युवाओं को अपने जीवन में छोटे-छोटे सकारात्मक बदलाव प्रारंभ करने का आह्वान किया गया।सामाजिक समरसता के अंतर्गत जाति, भाषा, क्षेत्र और अन्य सामाजिक भेदभाव से ऊपर उठकर बंधुत्व एवं समानता की भावना विकसित करने पर जोर दिया गया। 'एक मंदिर, एक जलस्रोत, एक श्मशान' की भावना के माध्यम से सामाजिक एकता और समान व्यवहार का संदेश दिया गया। श्रीराम और शबरी तथा निषादराज के प्रसंगों के माध्यम से समरसता को व्यवहार में उतारने की प्रेरणा दी गई।कुटुंब प्रबोधन के अंतर्गत परिवार को संस्कारों और राष्ट्र निर्माण की पहली पाठशाला



बताया गया। सप्ताह में कम से कम एक बार परिवार के साथ बैठकर भोजन करने, आपसी संवाद बढ़ाने तथा महापुरुषों के जीवन एवं विचारों पर चर्चा करने का आह्वान किया गया। बच्चों में संस्कार, नैतिक मूल्यों, बड़ों के सम्मान और राष्ट्रप्रेम की भावना विकसित करने में परिवार की भूमिका पर विशेष जोर दिया गया।इसी क्रम में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की बैकुंठपुर नगर मंत्री आयुषी साहू ने कहा कि ÷नारी अबला नहीं, सबला है।÷ उन्होंने कहा कि नारी परिवार, समाज और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। महिलाओं को अपनी क्षमता और प्रतिभा पर विश्वास रखते हुए आत्मनिर्भर बनकर समाज के विकास में सक्रिय योगदान देना चाहिए।

सेवा संकल्प अभियान के तहत सिद्धबाबा में हुआ वृहद वृक्षारोपण



स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने किया पौधरोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश, भाजपा मंडल चिरमिरी द्वारा आयोजित रहा कार्यक्रम

महेंद्र शुक्ला ➤ चिरमिरी/एमसीबी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष की जनसेवा पूर्ण होने के अवसर पर प्रारंभ किए गए सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सिद्धबाबा, पोड़ी चिरमिरी में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री एवं स्थानीय विधायक श्याम बिहारी जायसवाल शामिल हुए और पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम में चिरमिरी नगर निगम के महापौर राम नरेश राय, एमसीबी कलेक्टर संतन देवी जांगड़े तथा ष्ठस्नह, कोरिया सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि वृक्षारोपण केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और संतुलित पर्यावरण सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी भी है। उन्होंने अधिक से अधिक पौधे लगाने के साथ उनकी नियमित देखभाल और संरक्षण पर जोर दिया। इसके साथ ही सिद्ध बाबा धाम के सौंदर्यीकरण को लेकर करीब ढाई करोड़ रुपए से विकास कार्य होने की घोषणा की वही समीप में ही कोरिया वनमंडल अंतर्गत लाखों रुपए के मछली पालन की भी जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी जरूरी है। पौधों की देखभाल और उन्हें वृक्ष के रूप में विकसित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।पसेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित इस वृहद वृक्षारोपण जनभागीदारी बढ़ाने का संदेश दिया गया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत लालपुर में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम आयोजित

न्योता भोज में 25 बच्चों और अन्नदान महादान में 20 गर्भवती महिलाओं को कराया गया भोजन

महतारी वंदन योजना की 10 हितग्राही महिलाएं सम्मानित, पोषण और शासन की योजनाओं पर हुआ संवाद

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

सशक्त एमसीबी सेवा संकल्प अभियान एवं पोषण माह 2026 के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग, परियोजना मनेंद्रगढ़ ग्रामीण द्वारा ग्राम लालपुर के आंगनवाड़ी केंद्र में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कलेक्टर के निर्देशानुसार महिला एवं बाल विकास कार्यक्रम अधिकारी के मागदर्शन में कार्यक्रम का शुभारंभ पर्यवेक्षक शिल्पा अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर महिलाओं और हितग्राहियों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ पोषण, स्वास्थ्य एवं कुपोषण से बचाव



के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में न्योता भोज का आयोजन कर 25 बच्चों को भोजन कराया गया। वहीं 'अन्नदान महादान' के अंतर्गत 20 गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक भोजन कराया गया। स्वस्थ शिशु प्रतियोगिता के तहत पांच बच्चों के पालकों को सुपोषण टोकरी प्रदान की गई। पौष्टिक थाली का प्रदर्शन एवं व्यंजन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया।

महतारी वंदन योजना की हितग्राही महिलाओं ने साझा किए अनुभवकार्यक्रम के दौरान महतारी वंदन योजना सहित महिला एवं बाल विकास विभाग तथा राज्य शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं पर हितग्राहियों से संवाद किया गया। महतारी वंदन योजना से लाभान्वित महिलाओं ने योजना से मिले लाभ और अपने अनुभव अन्य महिलाओं के साथ साझा किए। इस अवसर पर योजना की 10 हितग्राही महिलाओं को सम्मानित भी किया गया। पर्यवेक्षक शिल्पा अग्रवाल ने बताया किकी जानकारी देना है।

बारिश थमने से चढ़ा पारा, रायपुर में आज 34 तक पहुंचेगा तापमान

रायपुर।राजनांदगांव में सुबह से धूप तेज होने लगी है। यहां पारा 34 डिग्री पहुंच गया है। छत्तीसगढ़ में बारिश का दौर फिलहाल थम गया है। मौसम विभाग के अनुसार आज (1 अक्टूबर) प्रदेश में मौसम ड्राई रहने की संभावना है। अगले 2 दिनों में भी बारिश के आसार कम हैं। आज कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है।रायपुर में मौसम साफ रहने का अनुमान है। अधिकतम तापमान 34एष्ट और न्यूनतम करीब 24एष्ट रह सकता है। बुधवार को रायपुर में अधिकतम 33.7एष्ट और न्यूनतम 24.9एष्ट दर्ज किया गया।

अगले 2-3 दिनों में प्रदेश के कुछ हिस्सों से मानसून की विदाई के लिए मौसम अनुकूल होने के आसार हैं। यानी अब मानसून की विदाई शुरू हो सकती है।

प्रदेश में कहीं बारिश नहीं हुई

पिछले 24 घंटे में लगभग पूरे प्रदेश में मौसम शुष्क रहा। मौसम विभाग के अनुसार किसी भी स्थान पर महत्वपूर्ण बारिश दर्ज नहीं हुई।

इस दौरान प्रदेश में सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान राजनांदगांव में 34एष्ट दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान पेंड्रा रोड में 18.4एष्ट रहा। यानी उत्तरी इलाकों में रात के तापमान में गिरावट जारी है।

मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति से तुलेश्वरी के बच्चे की पढ़ाई को मिला सहारा

श्रमिक परिवार को मिली 2 हजार रुपये की छात्रवृत्ति, शिक्षा से जुड़े खर्चों को पूरा करने में मिलेगी मदद

एमसीबी। सशक्त एमसीबी-सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाया जा रहा है। श्रमिक परिवारों के बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से संचालित मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना ऐसे परिवारों के लिए आर्थिक सहयोग का माध्यम बन रही है। योजना से लाभान्वित तुलेश्वरी के बच्चे को भी पढ़ाई जारी रखने के लिए 2 हजार रुपये की छात्रवृत्ति मिली है। तुलेश्वरी मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करती हैं। सीमित आय में घर की जरूरतों



के साथ बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाना उनके लिए आसान नहीं होता। ऐसे में मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना के तहत मिली आर्थिक सहायता ने उन्हें राहत दी है। छात्रवृत्ति की राशि का उपयोग बच्चे की पढ़ाई से जुड़ी आवश्यकताओं को पूरा करने में किया जाएगा।

तुलेश्वरी बताती हैं कि उनका बच्चा पढ़ाई जारी रखे और आगे बढ़े, यही उनकी सबसे बड़ी इच्छा है। छात्रवृत्ति के रूप में मिली 2 हजार रुपये की सहायता से शिक्षा संबंधी खर्चों को पूरा करने में मदद मिलेगी और परिवार पर पड़ने वाला आर्थिक बोझ भी कुछ कम होगा। उन्होंने कहा कि श्रमिक परिवारों के बच्चों की शिक्षा के लिए इस तरह की सहायता उपयोगी है। इससे आर्थिक कठिनाइयों के बीच भी बच्चों को अपनी पढ़ाई जारी रखने का प्रोत्साहन मिलता है। योजना का लाभ मिलने पर तुलेश्वरी ने मुख्यमंत्री एवं श्रम विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया।

सशक्त एमसीबी-सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से शासन की योजनाओं और सेवाओं को जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

50 वर्ष के हुए श्याम बिहारी जायसवाल; किसान परिवार से निकले, जनपद की राजनीति से शुरू हुआ सार्वजनिक जीवन का सफर

रतनपुर की माटी से प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री तक श्याम बिहारी जायसवाल का सफर

विशेष लेख : लोकेश्वर सिंह

जन्मदिन विशेष

- गांव में प्राथमिक शिक्षा, खड़गवां से आगे की पढ़ाई और चिरमिरी से एमएससी; 2009 में स्थानीय राजनीति में रखा कदम
- ग्राम रतनपुर का ग्रामीण परिवेश, किसान परिवार की पृष्ठभूमि और खेत-खलिहानों के बीच बीता बचपन। यहीं से शुरू होती है श्याम बिहारी जायसवाल के जीवन की कहानी। 1 अक्टूबर 1976 को जन्मे जायसवाल 1 अक्टूबर 2026 को 50 वर्ष पूरे कर रहे हैं। इन पांच दशकों में उनका सफर गांव की प्राथमिक शिक्षा से उच्च शिक्षा और स्थानीय निकाय की राजनीति से छत्तीसगढ़ सरकार में मंत्री पद तक पहुंचा है। उपलब्ध जीवन परिचय के अनुसार श्याम बिहारी जायसवाल का जन्म सामान्य किसान परिवार में स्व. सूरजदीन जायसवाल और श्रीमती चंद्रवती जायसवाल के यहां हुआ। प्रारंभिक शिक्षा रतनपुर में हुई। आगे की पढ़ाई के लिए वे खड़गवां और फिर उच्च शिक्षा के लिए



चिरमिरी पहुंचे। उन्होंने दादू लाहिड़ी महाविद्यालय से रसायन शास्त्र में एमएससी की पढ़ाई की। ग्रामीण परिवेश और खेती-किसानी से उनका जुड़ाव उनके शुरुआती जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा।

खेत-खलिहान से निकला शिक्षा का रास्ता

जायसवाल की जीवन यात्रा का शुरुआती दौर ग्रामीण परिवेश से जुड़ा रहा। उपलब्ध परिचय में उनके बचपन को खेती-किसानी और शिक्षा के बीच आगे बढ़ने वाले दौर के रूप में वर्णित किया गया है। पिता के साथ खेती से जुड़ाव के बीच उन्होंने प्राथमिक शिक्षा पूरी की और आगे की पढ़ाई के लिए गांव से बाहर निकले। रतनपुर से खड़गवां और फिर चिरमिरी तक पहुंची शिक्षा की यह यात्रा आगे चलकर उनके सार्वजनिक जीवन की पृष्ठभूमि बनी। चिरमिरी में उच्च शिक्षा के दौरान उन्होंने रसायन शास्त्र में स्नातकोत्तर शिक्षा पूरी की। उपलब्ध सामग्री में उन्हें इस दौरान गोल्ड मेडल मिलने का भी उल्लेख है।

2009 में स्थानीय चुनाव से राजनीति की शुरुआत

उनके राजनीतिक सफर की शुरुआत वर्ष 2009 से बताई गई है। इसी वर्ष उन्होंने जनपद सदस्य का चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। इसके बाद 2009 से 2013 तक जनपद पंचायत खड़गवां के उपाध्यक्ष रहे। यही दौर स्थानीय राजनीति से विधानसभा की राजनीति की ओर बढ़ने का आधार बना। वर्ष 2013 में वे मनेन्द्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र से विधायक बने और 2018 तक विधानसभा में क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। इसके बाद 2023 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें फिर मनेन्द्रगढ़ से प्रत्याशी बनाया। चुनाव आयोग के आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक उन्होंने 48,503 मत प्राप्त किए और 11,880 मतों के अंतर से चुनाव जीता। दूसरी बार विधायक निर्वाचित होने के बाद उन्हें छत्तीसगढ़ सरकार में मंत्री बनाया गया। राज्य सरकार के जनसंपर्क विभाग के 2026 के आधिकारिक प्रकाशनों में उन्हें स्वास्थ्य मंत्री के रूप में दर्ज किया गया है।

संगठन में भी निभाए अलग-अलग दायित्व

चुनावी राजनीति के साथ जायसवाल भाजपा संगठन में भी सक्रिय रहे। उपलब्ध परिचय में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य और कोरबा जिला संगठन प्रभारी सहित विभिन्न दायित्वों का उल्लेख है। वर्ष 2020 से 2022 के बीच भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी निभाने का भी उल्लेख किया गया है। स्रोत सामग्री के मुताबिक बिहार, असम और उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के साथ मरवाही एवं खैरागढ़ उपचुनाव में भी उन्हें संगठनात्मक जिम्मेदारियां दी गईं। इन चुनावी जिम्मेदारियों का विस्तृत स्वतंत्र आधिकारिक सत्यापन उपलब्ध सामग्री में संलग्न नहीं है, इसलिए इन्हें उपलब्ध जीवन परिचय के विवरण के रूप में ही देखा जाना चाहिए।

चिरमिरी-मनेंद्रगढ़ की कनेक्टिविटी से स्वास्थ्य और शिक्षा तक

उनके समर्थकों द्वारा तैयार उपलब्ध विवरण में वर्तमान कार्यकाल से जुड़ी कई परियोजनाओं को क्षेत्र के विकास से जोड़कर प्रस्तुत किया गया है। इनमें चिरमिरी की पेयजल व्यवस्था के लिए अमृत जल मिशन, चिरमिरी-साजा पहाड़ सड़क, चिरमिरी-नागपुर हाल्ट नई रेल लाइन और मनेंद्रगढ़ में शासकीय मेडिकल कॉलेज जैसी परियोजनाएं प्रमुख रूप से शामिल हैं। स्रोत सामग्री में इनके लिए क्रमशः 183 करोड़, 47 करोड़ से अधिक, रेल परियोजना की बढ़ी हुई लागत 601.90 करोड़ और मेडिकल कॉलेज के लिए 323 करोड़ जैसे आंकड़े दिए गए हैं। इसके अलावा कृषि महाविद्यालय खड़गवां, शासकीय पॉलिटेक्निक चिरमिरी, उद्यानिकी महाविद्यालय, नालंदा परिसर, शासकीय नर्सिंग कॉलेज, स्वास्थ्य अधोसंरचना और विभिन्न अस्पताल परियोजनाओं को भी उपलब्ध विवरण में क्षेत्र की प्रमुख परियोजनाओं के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। इन परियोजनाओं की वर्तमान लागत, भौतिक प्रगति और पूर्णता की स्थिति प्रकाशन के समय संबंधित विभागों के नवीनतम अभिलेखों से अलग से सत्यापित की जानी चाहिए।

स्वास्थ्य मंत्री के रूप में स्वास्थ्य सेवाओं पर फोकस

दूसरे विधायक कार्यकाल में राज्य मंत्रिमंडल में शामिल होने के बाद स्वास्थ्य विभाग उनकी प्रमुख प्रशासनिक जिम्मेदारियों में आया। छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग के आधिकारिक प्रकाशनों में अस्पतालों के निरीक्षण, चिकित्सकों की नियुक्ति, स्वास्थ्य सेवाओं के डिजिटलीकरण और मेडिकल कॉलेजों की व्यवस्थाओं से जुड़े उनके विभागीय कार्य दर्ज हैं। उनके क्षेत्र से उपलब्ध सामग्री में चिरमिरी और मनेन्द्रगढ़ में स्वास्थ्य अधोसंरचना विस्तार का भी उल्लेख है। इसमें अस्पताल भवन, ट्रामा सेंटर, जांच सुविधाएं, डायलिसिस यूनिट, विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति तथा अन्य चिकित्सा सुविधाओं से संबंधित कार्यों का विवरण दिया गया है।

न्यूज इन शॉर्ट

एचआईवी-एड्स एवं साइबर अपराधों से बचाव के लिए विद्यार्थियों को किया जागरूक



गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, महिला एवं बाल विकास विभाग से संबद्ध मिशन शक्ति हब द्वारा शासकीय रानी दुर्गावती महाविद्यालय मरवाही में गुरुवार को एचआईवी/एड्स एवं साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने, साइबर अपराधों से सुरक्षित रहने के साथ ही महिला एवं बाल संरक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। एचआईवी/एड्स विषय विशेषज्ञ सुश्री सवी साहू ने संक्रमण के कारण, माध्यम, बचाव एवं रोकथाम के उपायों की जानकारी देते हुए इससे जुड़ी भ्रांतियों को दूर किया। उन्होंने एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील एवं भेदभाव रहित व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया।साइबर जागरूकता सत्र में एसआई श्री अमित साहू ने ऑनलाइन धोखाधड़ी, फर्जी कॉल एवं संदेश, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग तथा व्यक्तिगत एवं वित्तीय जानकारी की गोपनीयता के संबंध में विद्यार्थियों को जागरूक किया। उन्होंने साइबर अपराध होने की स्थिति में त्वरित शिकायत की प्रक्रिया की भी जानकारी दी। कार्यक्रम में सखी वन स्टॉप सेंटर की केंद्र प्रभारी ने महिलाओं एवं बालिकाओं को उपलब्ध सहायता, परामर्श एवं संरक्षण सेवाओं तथा बाल संरक्षण अधिकारी ने बाल अधिकारों एवं बाल संरक्षण संबंधी प्रावधानों की जानकारी दी। विद्यार्थियों ने विषय विशेषज्ञों से संवाद कर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान भी प्राप्त किया। कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं में स्वास्थ्य जागरूकता, साइबर सुरक्षा, महिला संरक्षण एवं बाल अधिकारों के प्रति संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने का संदेश दिया गया।



कलेक्टर ने आंगनबाड़ी एवं स्वास्थ्य केंद्र का किया निरीक्षण

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही,कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने आज आंगनबाड़ी केंद्र अमाडांड, आंगनबाड़ी केंद्र कोडगार तथा आयुष्मान आरोग्य मंदिर-प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोडगार का निरीक्षण कर उपलब्ध व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों की उपस्थिति, निर्धारित मेन्यू के अनुसार दिए जा रहे भोजन, भोजन की गुणवत्ता, बच्चों की पोषण स्थिति तथा आंगन मिलन सेवा के तहत संचालित गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने बच्चों को गुणवत्तापूर्ण एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि बच्चों के पोषण से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। आंगनबाड़ी केंद्र अमाडांड में कलेक्टर ने बच्चों के लिए तैयार भोजन की गुणवत्ता स्वयं जांची। दाल की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं पाए जाने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को व्यवस्था में तत्काल सुधार लाने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित सेक्टर सुपरवाइजर से दूरभाष पर चर्चा कर नियमित निगरानी करने और भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने कहा। कलेक्टर ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर-प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोडगार का भी निरीक्षण किया। उन्होंने गर्भवती महिलाओं के पंजीयन, ओपीडी में आने वाले मरीजों, जनरल वार्ड, प्रसव कक्ष, आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता एवं साफ-सफाई की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने स्वास्थ्य अमले को मरीजों को समय पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने और केंद्र में स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान रिकॉर्ड संधारण में लापरवाही पाए जाने पर कलेक्टर ने सुपरवाइजर श्री मुन्ना सिंह को कारण बताओ नोटिस जारी करने जिला पंचायत सीईओ को निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि आंगनबाड़ी और स्वास्थ्य केंद्र आमजन को सीधे सेवा प्रदान करने वाली महत्वपूर्ण संस्थाएं हैं।

सेवा संकल्प अभियान में सामने आई ग्राम लालपुर के किसान की कहानी

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से लक्ष्मण सिंह उइके की खेती को मिला आर्थिक संबल

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी





खेती में समय पर खाद, बीज और अन्य जरूरी सामग्री की उपलब्धता किसानों के लिए बेहद महत्वपूर्ण होती है। इन आवश्यकताओं को पूरा करने में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना किसानों के लिए आर्थिक सहयोग का माध्यम बन रही है। सशक्त एमसीबी-सेवा संकल्प अभियान के तहत सामने आई ग्राम लालपुर निवासी किसान लक्ष्मण सिंह उइके की कहानी भी योजना से खेती-किसानी को मिल रहे इसी संबल को दर्शाती है। लक्ष्मण सिंह उइके खेती के माध्यम से अपने परिवार की आजीविका को आगे बढ़ा रहे हैं। कृषि कार्य के दौरान खाद, बीज एवं अन्य जरूरी सामग्री की खरीदी के लिए समय-समय पर राशि की आवश्यकता होती है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से मिलने वाली आर्थिक सहायता का उपयोग वे खेती से जुड़ी इन्हीं आवश्यकताओं को पूरा करने में करते हैं।

हर साल मिलती है 6 हजार रुपये की आर्थिक सहायता

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत पात्र किसान परिवारों को प्रतिवर्ष 6 हजार रुपये की आर्थिक सहायता तीन समान किस्तों में सीधे उनके बैंक खातों में प्रदान की जाती है। यह सहायता किसानों को कृषि संबंधी जरूरतों को पूरा करने में आर्थिक सहयोग प्रदान करती है। लक्ष्मण सिंह उइके बताते हैं कि योजना के तहत मिलने वाली राशि उनके लिए खेती के समय उपयोगी साबित होती है। इस राशि से वे खाद, बीज एवं खेती-किसानी से जुड़ी अन्य आवश्यक सामग्री की व्यवस्था करते हैं। इससे कृषि कार्यों के दौरान होने वाले छोटे-बड़े खर्चों को पूरा करने में उन्हें मदद मिलती है।

वन भूमि पर अवैध उत्खनन, ट्रैक्टर जब्त

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही



गौरेला-पेंड्रा-मरवाही 7 वन परिक्षेत्र गौरेला के अंतर्गत पड़वनिया क्षेत्र में वन भूमि पर अवैध उत्खनन करते एक ट्रैक्टर को वन विभाग ने पकड़ा है। जानकारी के अनुसार वन विभाग को सूचना मिली थी कि पड़वनिया में वन भूमि पर अवैध रूप से मुरुम/मिट्टी का उत्खनन किया जा रहा है। सूचना पर वन परिक्षेत्र गौरेला का अमला तत्काल मौके पर पहुंचा। जांच में मौके पर पड़वनिया निवासी संतोष गुरजे का ट्रैक्टर अवैध उत्खनन करते पाया गया। वन विभाग की टीम ने ट्रैक्टर को जब्त कर वन परिक्षेत्र कार्यालय लाया है। मामले में वन अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। वन विभाग ने बताया कि वन क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए लगातार निगरानी की जा रही है और अवैध उत्खनन व अतिक्रमण पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत विकासखंड स्तरीय उच्च माध्यमिक भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता संपन्न

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही



सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत उच्च माध्यमिक स्तर की विकासखंड स्तरीय भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 30 सितंबर 2026 को मिश्री देवी शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गौरेला, जिला गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में किया गया। प्रतियोगिता में विकासखंड क्षेत्र के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी प्रतिभा एवं रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष श्री मुकेश दुबे जी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री उपेंद्र सिंह ठाकुर, बीईओ एवं प्राचार्य तथा श्रीमती ऊषा शर्मा ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि श्री कुलदीप सिंह धीरज, श्री निलेश कुमार साहू, श्री मनोज विश्वकर्मा, श्रीमती अरुणा चक्रधारी, श्री मनीष जायसवाल एवं सीएसी श्री सुनील दत्त राय उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात विद्यालय की छात्राओं द्वारा संगीत शिक्षक श्री रमेश कुमार प्रधान के मार्गदर्शन में स्वागत गीत एवं सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई, जो अत्यंत प्रशंसनीय रही।

भाषण प्रतियोगिता में पांच प्रतिभागियों का चयन

उच्च माध्यमिक स्तर की विकासखंड स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपने विचारों को प्रभावी एवं सारगर्भित ढंग से प्रस्तुत किया। निर्णायक मंडल द्वारा प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पांच प्रतिभागियों का चयन किया गया। चयनित प्रतिभागियों में सानिया कौसर प्रथम स्थान अमिता शिक्षा निकेतन ,दिव्य भानु द्वितीय स्थान शा उ मा वि टीकरकला त्र, मानसी मरावी त्रितीय मिश्री देवी शा कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गौरेला, मेघा नेताम आक्सफोर्ड एवं श्रद्धा पुरी मिश्री देवी शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गौरेला शामिल हैं। चित्रकला प्रतियोगिता में अमृत धुर्वे सेजस रितेश राठौर सेंटमेरी अस्मित कौर अग्रसेन, अमरेश सेन सेजस सेमरा शांति धुर्वे एलिजाबेथ, देववती अग्रसेन प्रतिभागियों का चयन इसी क्रम में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी कल्पनाशीलता एवं कलात्मक प्रतिभा का सुंदर प्रदर्शन किया। निर्णायक मंडल द्वारा अमृता ध्रुवे, रितेश राठौर, अश्मित कौर, देववती, अमरेश सेन एवं शांति ध्रुवे का चयन किया गया। अतिथियों ने चयनित प्रतिभागियों सहित सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, रचनात्मकता, अभिव्यक्ति कौशल एवं सामाजिक सरोकारों के प्रति जागरूकता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम का मंच संचालन श्रीमती शोभा पाठक द्वारा किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में कार्यक्रम प्रभारी श्री नरेश कुमार पात्रे सहित विद्यालय के समस्त स्टाफ एवं सहयोगियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अंत में अतिथियों, निर्णायक मंडल, प्रतिभागी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं आयोजन से जुड़े सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम उत्साहपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना से बच्चों की पढ़ाई का खर्च हुआ आसान

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही



पेंड्रा विकासखंड के ग्राम पंचायत बचरवार निवासी श्री राजेश कुमार पाण्डेय निर्माण श्रमिक हैं। मेहनत-मजदूरी कर वे अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं। सीमित आमदनी के बीच बच्चों की शिक्षा का खर्च उठाना उनके लिए एक बड़ी चुनौती थी। वे चाहते थे कि आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद उनके बच्चों की पढ़ाई निरंतर जारी रहे और वे बेहतर भविष्य की ओर आगे बढ़ें। ऐसे समय में छत्तीसगढ़ शासन के श्रम विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना उनके परिवार के लिए महत्वपूर्ण सहारा बनी। योजना के अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों को कक्षा 1 से लेकर उच्च शिक्षा तक अध्ययन के लिए वार्षिक छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

राजेश कुमार के दो बच्चों को मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना का लाभ मिल रहा है। छात्रवृत्ति से बच्चों की पढ़ाई से जुड़े खर्चों को पूरा करने में परिवार को आर्थिक सहयोग मिला है। इससे श्री पाण्डेय को अपने बच्चों की शिक्षा को लेकर आर्थिक दबाव कम महसूस हो रहा है और वे उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए अधिक विश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं। योजना का लाभ मिलने पर राजेश पाण्डेय ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया है। उन्होंने कहा कि श्रमिक परिवारों के बच्चों की शिक्षा के लिए शासन की यह पहल उनके जैसे परिवारों के लिए बड़ी मदद है। मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना श्रमिक परिवारों के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

शासकीय कन्या शाला गौरेला में श्री जितेन्द्र सिंह ठाकुर को दी गई भावभीनी विदाई

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही



स्थानीय मिश्री देवी शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गौरेला में पदस्थ श्री जितेन्द्र सिंह ठाकुर के सेवानिवृत्त होने पर एक भव्य एवं भावभीनी विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती ऊषा शर्मा ने की। कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती शोभा पाठक द्वारा किया गया। समारोह में विद्यालय परिवार के सदस्यों ने श्री ठाकुर के कार्यकाल, उनकी कर्तव्यनिष्ठता और शाला विकास में उनके अमूल्य योगदान को याद किया।

फिल्मी कलाकार सुपुत्र रहे मौजूद, वरिष्ठ जनों ने व्यक्त किए विचार

इस विदाई बेला के विशेष क्षणों में सेवानिवृत्त श्री जितेन्द्र सिंह ठाकुर के सुपुत्र एवं प्रसिद्ध फिल्मी कलाकार मिथलेश सिंह ठाकुर भी विशेष रूप से उपस्थित रहे, जिन्होंने कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाया। अवसर पर उपस्थित सम्मानीय सदस्यों श्री अरविंद पाण्डेय, श्री नरेश कुमार पात्रे, श्री उत्तरा दिवाकर और श्री ओंकार कौशिक ने अपने संबोधन में श्री ठाकुर के साथ बिताए गए पलों को साझा किया और उनके मृदुभाषी एवं सहयोगी स्वभाव की सराहना की।

गीतों के माध्यम से दी गई विदाई

विदाई की इस बेला को और अधिक स्मरणीय एवं भावुक बनाते हुए श्रीमती मीनू देवांगन और श्री रमेश प्रधान ने सुमधुर विदाई गीत प्रस्तुत किया। गीतों के माध्यम से उन्होंने श्री ठाकुर के प्रति पूरे विद्यालय परिवार की ओर से सम्मान और आत्मीयता प्रकट की।

पूरा शालेय परिवार रहा उपस्थित

इस गरिमामयी समारोह में पूरे शालेय परिवार की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में मुख्य रूप व्याख्याता गण श्री विवेक तिवारी, श्री एस एल साइटोंडे, श्री निर्मल पाण्डेय शिक्षक गण श्री मेवा सिंह राठौर, श्री मनीष कुमार साहू, श्री ज्योतिष साहू,व्याख्याता शिक्षिका श्रीमती मोनालिसा बनर्जी, श्रीमती यास्मीन परवीन, श्रीमती कोमल गुप्ता श्रीमती मीनाक्षी जसवाल, श्रीमती शारदा सुल्तानिया,सु श्री अर्चना द्विवेदी श्रीमती माधवी मंडावी

* श्रीमती ज्योति साहू, श्रीमती रुकसाना इराकी, श्रीमती सलमा बानो

सुश्री तान्या गुप्ता श्रीमती अर्चना राजपूत, श्रीमती वैशाली वर्मा ग्रेड 3,और चतुर्थ श्रेणी श्रीमती सजनी श्री अनूप इक्का

श्रीमती मीना पात्रे, श्रीमती दुर्गा लहरें श्री भावेश कौशिक सहित सभी शिक्षक व स्टाफ उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य श्रीमती ऊषा शर्मा एवं समस्त स्टाफ द्वारा सेवानिवृत्त श्री जितेन्द्र सिंह ठाकुर को शॉल, श्रीफल और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की गईं।

फूलगोभी की उन्नत खेती से प्रमोद सिंह को मिला 1.50 लाख रूपए का लाभ



गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, ग्राम पंचायत देवरगांव, विकासखंड गौरेला के कृषक श्री प्रमोद सिंह ने आधुनिक एवं उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाते हुए लगभग 2 एकड़ क्षेत्र में फूलगोभी की व्यावसायिक खेती की। बेहतर फसल प्रबंधन, समय-समय पर आवश्यक कृषि कार्य एवं वैज्ञानिक तकनीकों के उपयोग से उन्हें अब तक लगभग 1.50 लाख रुपए का लाभ प्राप्त हो चुका है। प्रमोद सिंह पूर्व में भी उद्यानिकी विभाग की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त कर चुके हैं। विभाग द्वारा उन्हें समय-समय पर उन्नत तकनीकों, फसल प्रबंधन, नवीन गतिविधियों एवं विभागीय योजनाओं की जानकारी के साथ आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया जाता रहा है।

विभागीय अधिकारियों एवं मैदानी अमले के निरंतर मार्गदर्शन से प्रमोद सिंह ने उद्यानिकी फसलों को व्यावसायिक दृष्टिकोण से अपनाया। फूलगोभी की खेती में बेहतर प्रबंधन और मेहनत का परिणाम उन्हें अच्छी आय के रूप में मिला। इस सफलता ने उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया है और वे कृषि गतिविधियों को और अधिक विस्तार देने के लिए प्रेरित हुए हैं। प्रमोद सिंह की यह सफलता अन्य कृषकों के लिए भी प्रेरणादायक है। उनकी कहानी बताती है कि उन्नत तकनीक, सही फसल प्रबंधन, विभागीय मार्गदर्शन और कृषक की मेहनत के समन्वय से उद्यानिकी खेती को आय का बेहतर एवं लाभकारी माध्यम बनाया जा सकता है।

सेवा संकल्प अभियान में सामने आई ग्राम भल्लौर के किसान प्रमोद कुमार जायसवाल की कहानी

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से खेती-किसानी को मिल रहा संबल

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी



संकल्प अभियान के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से हितग्राहियों के जीवन में आए सकारात्मक बदलावों और उन्हें मिल रहे लाभ की कहानियां सामने लाई जा रही हैं। इसी क्रम में ग्राम भल्लौर निवासी किसान प्रमोद कुमार जायसवाल की कहानी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से खेती-किसानी में मिल रहे आर्थिक सहयोग को दर्शाती है। किसान प्रमोद कुमार जायसवाल खेती के माध्यम से अपने परिवार की आजीविका चलाते हैं। कृषि कार्यों में समय-समय पर खाद, बीज एवं अन्य आवश्यक सामग्री की जरूरत पड़ती है। ऐसे में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत मिलने वाली आर्थिक सहायता खेती की इन आवश्यकताओं को पूरा करने में उनके लिए उपयोगी साबित हो रही है।

सालाना 6 हजार रुपये की सहायता बन रही खेती का सहारा



प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत पात्र किसान परिवारों को प्रतिवर्ष 6 हजार रुपये की आर्थिक सहायता तीन समान किस्तों में सीधे उनके बैंक खातों में प्रदान की जाती है। योजना के माध्यम से मिलने वाली यह राशि किसानों को कृषि संबंधी आवश्यकताओं के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान करती है। प्रमोद कुमार जायसवाल बताते हैं कि उन्हें भी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का नियमित लाभ मिल रहा है। योजना से प्राप्त राशि का उपयोग वे खाद, बीज सहित खेती-किसानी से जुड़ी अन्य जरूरी सामग्री की खरीदी में करते हैं।

इससे कृषि कार्य के दौरान आवश्यक सामग्री जुटाने में उन्हें आर्थिक सहायता मिलती है।

समय पर मिलने वाली राशि से कृषि कार्य में मिलती है मदद

प्रमोद बताते हैं कि खेती में कई आवश्यकताएं समय से जुड़ी होती हैं। फसल की तैयारी और कृषि कार्यों के दौरान खाद एवं बीज जैसी सामग्री समय पर उपलब्ध होना जरूरी होता है। किसान सम्मान निधि के माध्यम से मिलने वाली राशि ऐसे समय में खेती से जुड़े खर्चों को पूरा करने में मददगार साबित होती है। योजना से प्राप्त आर्थिक सहयोग का उपयोग सीधे कृषि कार्यों में होने से उन्हें अपनी खेती को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाने में सहायता मिल रही है। छोटे-छोटे कृषि खर्चों के लिए मिलने वाली यह राशि किसान परिवार के लिए आर्थिक संबल का माध्यम बन रही है। योजना से मिले सहयोग के लिए जताया आभार प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से मिल रहे लाभ पर प्रमोद कुमार जायसवाल ने प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने योजना के माध्यम से किसानों को मिल रही आर्थिक सहायता के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। सशक्त एमसीबी-सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के साथ लाभार्थियों के अनुभवों को भी सामने लाया जा रहा है। ग्राम भल्लौर के किसान प्रमोद कुमार जायसवाल की कहानी बताती है कि किसान सम्मान निधि के रूप में मिलने वाली आर्थिक सहायता खेती की रोजमर्रा की आवश्यकताओं को पूरा करने में किसानों के लिए उपयोगी सहयोग बन रही है।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग, मरवाही
जिला–गौरेला–पेण्ड्रा–मरवाही (छ.ग.)
ई–प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

प्रथम आमंत्रण

निम्नलिखित कार्यो के लिए दिनांक 22.10.2026, 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है :–

सिस्टम निविदा क्रमांक	निविदा सूचना क्रमांक एवं दिनांक	कार्य का नाम	निविदा की लागत जी.एस.टी. छोड़ कर (लाख में)	
200262	02/व.ले.लि /2026–27 दिनांक 01.10.2026	चौरसिया जलाशय योजना के शीर्ष कार्य का जीर्णोद्धार एवं मरम्मत कार्य।	84.86	निविदा की अनुमानित लागत एस.ओ.आर. 01.08.2010 (संशोधित 23.04.2026) के अनुसार है।
200263	03/व.ले.लि /2026–27 दिनांक 01.10.2026	गगनई जलाशय के शीर्ष कार्य का जीर्णोद्धार एवं माईनर नहर में चैनल निर्माण तथा सी.सी. लाईनिंग कार्य।	354.33	निविदा की अनुमानित लागत एस.ओ.आर. 01.05.2025 (संशोधित 08.08.2025) के अनुसार है।

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई–प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 08.10.2026, समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोट : निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई–प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग
मरवाही (छ.ग.)
कृते–मुख्य अभियंता
हसदेव कछार जल संसाधन विभाग,
बिलासपुर (छ.ग.)

262703702/4

न्यूज इन शॉर्ट



फसल बचाने लगाए बिजली तार ने ली हाथी के बच्चे की जान, रातभर चिंघाड़ता रहा झुंड

छत्तीसगढ़. सरगुजा- सरगुजा के उदयपुर में अलकापुरी जंगल से लगे खेतों में फसल बचाने के लिए लगाए गए बिजली वाले तार की चपेट में आने से हाथी शावक की मौत हो गई। हाथियों का झुंड मौके पर पहुंचा था। बच्चे की मौत के बाद रातभर हाथियों का दल वहीं घूमता रहा और चिंघाड़ता रहा। इससे आसपास के लोग डरे रहे। सुबह वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। मामला उदयपुर वन परिक्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, अलकापुरी के जंगल में पिछले कई दिनों से हाथियों का दल घूम रहा है। हाथियों से फसल बचाने के लिए किसानों ने खेतों के चारों ओर एक किलोमीटर से ज्यादा इलाके में झटका देने वाला तार लगाया है। बुधवार रात करीब 10 बजे हाथी का बच्चा इस तार की चपेट में आ गया। उसकी सूंड और पैर में तार फंस गया।। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है। जांच के बाद जिम्मेदार लोगों की पहचान कर नियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों के मुताबिक, क्षेत्र में करीब 27 हाथियों का दल घूम रहा है। वन विभाग की टीम आसपास अवैध हुकिंग की भी जांच कर रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि झटका मशीन के करंट से किसी जानवर या व्यक्ति की मौत नहीं हो सकती। उनका कहना है कि मामले की जांच होनी चाहिए। स्थानीय लोगों ने आशंका जताई कि तार में सीधे करंट लगाया गया होगा। स्थानीय लोगों के मुताबिक, घटना के बाद हाथियों का दल रातभर मौके पर डटा रहा और चिंघाड़ता रहा। हाथियों की आवाज सुनकर आसपास के लोग सहमे रहे। वन विभाग हाथी के बच्चे के शव का पोस्टमॉर्टम कराने के बाद अंतिम संस्कार करेगा।

नवागढ़ गांव में पूर्ण शराबबंदी का संकल्प, अवैध बिक्री पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी

रायगढ़। जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन आघात के तहत अब पुलिस कार्रवाई के साथ सामाजिक जागरूकता और सामुदायिक सहभागिता पर भी जोर दिया जा रहा है। इसी क्रम में घरघोड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम नवागढ़ के ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से गांव में पूर्ण शराबबंदी का संकल्प लिया है। ग्रामीणों की इस पहल का घरघोड़ा पुलिस ने स्वागत किया है और अवैध शराब बनाने या बेचने वालों को सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के मार्गदर्शन में रायगढ़ पुलिस जिले में अवैध शराब और नशे के खिलाफ अभियान चला रही है। पुलिस की ओर से गांव-गांव पहुंचकर लोगों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया जा रहा है। इसी अभियान से प्रेरित होकर ग्राम नवागढ़ के ग्रामीणों ने गांव को नशामुक्त बनाने की दिशा में कदम उठाते हुए शराबबंदी का निर्णय लिया। इस निर्णय को लेकर गांव में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में घरघोड़ा थाना प्रभारी निरीक्षक कुमार गौरव साहू को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया।ग्रामीणों के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि यह कदम केवल शराबबंदी तक सीमित नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ी को नशे की गिरफ्त से बचाने की दिशा में महत्वपूर्ण सामाजिक पहल है। थाना प्रभारी ने ग्रामीणों को बताया कि नशे का असर केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य पर ही नहीं पड़ता, बल्कि पूरे परिवार और समाज पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कई सड़क दुर्घटनाओं में नशे में वाहन चलाना प्रमुख कारण बनता है। इसके अलावा नशे की वजह से घरेलू हिंसा, पारिवारिक विवाद और अन्य अपराध भी सामने आते हैं। उन्होंने कहा कि एक गांव की अच्छी पहल आसपास के दूसरे गांवों के लिए भी प्रेरणा बन सकती है। यदि गांव के लोग सामूहिक रूप से नशे के खिलाफ खड़े हों तो इस तरह के अभियान ज्यादा प्रभावी हो सकते हैं।

अभियान में कलिंगा विश्वविद्यालय के करीब 90 विद्यार्थियों ने

रायपुर में वृहद स्वच्छता अभियान, नरैया तालाब से निकाला गया 3.5 मीट्रिक टन कचरा

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

स्वच्छता ही सेवा 2026 अभियान के तहत राजधानी रायपुर में 1 अक्टूबर को वृहद स्वच्छता अभियान चलाया गया। ÷1 अक्टूबर, एक दिन, एक तारीख, एक घंटा÷ कार्यक्रम के अंतर्गत नगर पालिक निगम रायपुर ने कलिंगा विश्वविद्यालय के सहयोग से सिद्धार्थ चौक स्थित नारहरेश्वर (नरैया) तालाब और आसपास के क्षेत्र में विशेष सफाई अभियान आयोजित किया। अभियान में कलिंगा विश्वविद्यालय के करीब 90 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। विद्यार्थियों ने तालाब के किनारे और आसपास जमा कचरे की सफाई की। अभियान के दौरान करीब 3.5 मीट्रिक टन कचरा एकत्रित किया गया। नगर निगम की कचरा संग्रहण गाड़ियों के माध्यम से एकत्रित कचरे को वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण के लिए भेजा गया।

अभियान के दौरान अधिकारियों ने सफाई व्यवस्था की निगरानी की और विद्यार्थियों के साथ स्वच्छता गतिविधियों में सहभागिता की। कार्यक्रम में बिसलेरी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड की ओर से दीपक गुप्ता और बाला सैदाबाबू उपस्थित रहे। वहीं कलिंगा विश्वविद्यालय की ओर से डॉ. हर्षा शर्मा के नेतृत्व में एनसीसी और एनएसएस के स्वयंसेवकों ने अभियान में सक्रिय भूमिका निभाई। विद्यार्थियों ने तालाब परिसर में प्लास्टिक, अन्य अपशिष्ट और आसपास फैले कचरे को एकत्रित किया। अभियान



का मुख्य उद्देश्य शहर के जलाशयों और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने के साथ लोगों को साफ-सफाई के प्रति जागरूक करना था।ध्यह्यश ऋद्धडुस्र - ड्रंक एंड ड्राइव पर सख्ती, 145 ऑटो-ई रिक्शा की जांच, 22 वाहनों पर चालान इस दौरान प्लास्टिक और अन्य प्रकार के अपशिष्ट के उचित प्रबंधन पर भी जोर दिया गया। प्रतिभागियों को सार्वजनिक स्थानों पर कचरा नहीं फैलाने और स्वच्छता गतिविधियों में नियमित भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया। नगर निगम की ओर से स्वच्छ एवं स्वस्थ रायपुर के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया गया। अधिकारियों ने कहा कि शहर की स्वच्छता केवल सफाई कर्मचारियों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें आम नागरिकों की भागीदारी भी जरूरी है। जलाशयों, सड़कों और सार्वजनिक स्थलों को साफ रखने से पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलती है। अभियान के दौरान विद्यार्थियों और स्वयंसेवकों में खासा उत्साह देखने को मिला। सभी प्रतिभागियों ने मिलकर तालाब और आसपास के क्षेत्र की सफाई की। जनभागीदारी के साथ आयोजित यह अभियान स्वच्छ, सुंदर और सतत शहर के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास रहा।

176 साइबर अपराधों का मास्टरमाइंड गिरफ्तार



संवाददाता ➤ मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी

साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए जिला पुलिस ने अंतर्राज्यीय साइबर ठगी नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने पश्चिम बंगाल से गिरोह के मुख्य सरगना सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक गिरोह से जुड़े एक वर्चुअल बैंक खाते के जरिए देशभर में 1 लाख 71 हजार से अधिक लोगों को निशाना बनाया गया। इस खाते से संबंधित 14 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कुल 176 आपराधिक प्रकरण दर्ज पाए गए हैं। खड़गांव थाना प्रभारी निरीक्षक सुशील त्रिपाठी और प्रशिक्षु उप निरीक्षक अब्दुल रियाज के नेतृत्व में टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और बैंकिंग लेन-देन का विश्लेषण करते हुए आरोपियों तक पहुंच बनाई। मामले की शुरुआत थाना खड़गांव में दर्ज अपराध क्रमांक 06/26 से हुई। यह प्रकरण बीएनएस की धारा 318(4) के तहत दर्ज किया गया था। पुलिस के अनुसार इस मामले में पीड़ित से कुल 3 लाख 12 हजार 348 रुपये की ठगी की गई थी। ठगी की रकम अलग-अलग नौ बैंक खातों में ट्रांसफर कराई गई थी।ध्यह्यश ऋद्धडुस्र - ड्रंक एंड ड्राइव पर सख्ती, 145 ऑटो-ई रिक्शा की जांच, 22 वाहनों पर चालान जांच के दौरान पुलिस ने इन बैंक खातों और लेन-देन का तकनीकी विश्लेषण किया। इसमें सामने आया कि आरोपियों ने वर्चुअल बैंक खाता संख्या 211071614 का उपयोग किया था। इस खाते में पीड़ित की रकम में से 60 हजार रुपये ट्रांसफर किए गए थे।

नकली होलोग्राम लगाकर छत्तीसगढ़ में बिक रही शराब:राजनांदगांव से महासमुंद और कांकेर तक कार्रवाई



एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ में अवैध शराब का कारोबार नया नहीं है, लेकिन 2026 में इसके नए तरीके सामने आए हैं। अब दूसरे राज्यों की शराब सिर्फ यहां लाकर नहीं बेची जा रही, बल्कि उसकी पहचान बदलने की कोशिश भी की जा रही है।जनवरी से सितंबर के बीच राजनांदगांव, डोंगरगढ़, कबीरधाम, महासमुंद, कांकेर, मोहला और सूरजपुर समेत कई जगह कार्रवाई हुई। कहीं ख्क हरियाणा और उत्तराखंड की शराब मिली, तो कहीं खाली बोतलें, ढक्कन, लेबल और नकली होलोग्राम बरामद हुए।कुछ मामलों में दूसरे राज्यों की शराब पर छत्तीसगढ़ के लेबल और होलोग्राम लगाकर उसे यहां की शराब जैसा दिखाने की कोशिश सामने आई। इन मामलों से अवैध शराब के कारोबार में पैकिंग बदलकर पहचान छिपाने का तरीका सामने आता है।

पहले समझिए होलोग्राम का काम

शराब की बोतल पर लगा होलोग्राम उसकी पैकिंग और पहचान से जुड़ा सुरक्षा चिन्ह होता है। सरकारी व्यवस्था के तहत शराब की बोतलों के ढक्कन पर होलोग्राफिक स्टिकर लगाए जाते हैं। इसी वजह से अवैध शराब के कारोबार में नकली होलोग्राम और लेबल का इस्तेमाल महत्वपूर्ण हो जाता है।

दूसरे राज्य की शराब अगर उसी पैकिंग में बेची जाए तो उसकी पहचान आसानी से हो सकती है। लेकिन बोतल पर छत्तीसगढ़ का लेबल, ढक्कन और होलोग्राम लगा दिया जाए तो उसे यहां बिकने वाली शराब जैसा दिखाने की कोशिश की जा सकती है।

शराब बाहर से आती है, पैकिंग अलग जगह से

डोंगरगढ़ में जून की कार्रवाई ने इस पूरे तरीके की एक अहम कड़ी सामने रखी। जांच के मुताबिक शराब मध्यप्रदेश से लाई जा रही थी। वहीं बोतल, ढक्कन, स्टिकर और होलोग्राम की व्यवस्था अलग-अलग जगहों से होने की बात सामने आई।पुलिस के अनुसार होलोग्राम और स्टिकर दिल्ली, पुणे और नागपुर से लाए जाते थे। यानी पूरा काम एक ही जगह नहीं होता। शराब कहीं से आती है, पैकिंग का सामान कहीं और से आता है और फिर किसी ठिकाने पर इन्हें जोड़कर आगे भेजने की तैयारी होती है।

फर्जी चेक देकर करा ली जमीन डुकी रजिस्ट्री, धोखाधड़ी करने वाले 3 गिरफ्तार

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

जिले में जमीन की रजिस्ट्री के नाम पर फर्जी चेक देकर लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि तीन लोगों ने जमीन की खरीद के बदले कुल 22 लाख 60 हजार रुपये के दो चेक देकर रजिस्ट्री करा ली। बाद में भुगतान से जुड़ी गड़बड़ी सामने आने के बाद मामले की शिकायत दामापुर पुलिस से की गई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की और दस्तावेजी साक्ष्यों के आधार पर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। न्यायालय



के आदेश पर तीनों को न्यायिक रिमांड में जेल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, जमीन की रजिस्ट्री कराने के दौरान आरोपियों ने भुगतान के लिए दो अलग-अलग चेक दिए थे। इनमें एक चेक 12 लाख 30 हजार रुपये और दूसरा चेक 10 लाख 30 हजार रुपये का था। दोनों चेक के जरिए कुल 22 लाख 60 हजार रुपये का भुगतान किए जाने का भरोसा दिलाया गया। चेक मिलने के बाद जमीन की रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूरी कर ली गई।

इसके बाद मामले की शिकायत पुलिस से की गई। शिकायत में आरोप लगाया गया कि आरोपियों ने भुगतान का भरोसा दिलाकर जमीन अपने नाम करा ली, जबकि चेक के माध्यम से तय राशि का भुगतान नहीं किया गया। शिकायत मिलने के बाद दामापुर पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की। पुलिस ने जमीन की रजिस्ट्री से जुड़े दस्तावेजों के साथ ही आरोपियों द्वारा दिए गए दोनों चेक की जानकारी जुटाई। दस्तावेजों की भी जांच की गई।

गोबरा नवापारा में ट्रैक्टर की टक्कर से स्कूटी सवार की मौत, चालक फरार

नियमित रूप से किए जाने की मांग भी उठाई गई है।

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

गोबरा नवापारा नगर के मैडम चौक के पास बुधवार सुबह दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। एक ट्रैक्टर-ट्रॉली ने स्कूटी सवार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना गंभीर था कि स्कूटी चला रहे 60 वर्षीय व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान अख्तर अली के रूप में हुई है। घटना के बाद पुलिस ने ट्रैक्टर को जब्त कर लिया है, जबकि चालक की तलाश की जा रही है। जानकारी के अनुसार अख्तर अली राजिम के मस्तान शाह दरगाह के पास रहते थे। बुधवार सुबह करीब 11 बजे वह स्कूटी क्रमांक छत्त 04 ष्ठ्ठ 4083 से कहीं जा रहे थे। इसी दौरान गोबरा नवापारा के मैडम चौक के पास ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी।ध्यह्यश ऋद्धडुस्र - मुक्तिधाम का रास्ता बंद होने पर विवाद, प्रशासन ने खुलवाया मार्ग टक्कर के बाद अख्तर अली सड़क पर गिर गए और गंभीर चोट लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई की गई। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए गोबरा नवापारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल ट्रैक्टर को जब्त कर लिया है। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी पहचान और पतासाजी में जुटी हुई है। दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई और ट्रैक्टर की रफ्तार कितनी थी, इसकी भी जांच की जा रही है।ध्यह्यश ऋद्धडुस्र - दुर्गोत्सव को लेकर शांति समिति की बैठक, आयोजन समितियों को दिए जरूरी निर्देश इस हादसे के बाद क्षेत्र में रेत परिवहन करने वाले ट्रैक्टरों की आवाजाही को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि राजिम क्षेत्र के समीप पितईबंद इलाके में रेत उत्खनन और परिवहन का काम लंबे समय से चल रहा है। बड़ी संख्या में ट्रैक्टरों से रेत गोबरा नवापारा की ओर लाई जाती है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि दमानी पेट्रोल पंप के पास रेत का स्टॉक किया जाता है। वहां से जेसीबी की मदद से रेत को हाईवा वाहनों में लोड कर दूसरे स्थानों पर भेजा जाता है। इसी कारण क्षेत्र की सड़कों पर ट्रैक्टरों और अन्य भारी वाहनों की आवाजाही बढ़ गई है।ध्यह्यश ऋद्धडुस्र - ड्रंक एंड ड्राइव पर सख्ती, 145 ऑटो-ई रिक्शा की जांच, 22 वाहनों पर चालान लोगों का कहना है कि भारी वाहनों के लगातार आवागमन के कारण सड़क सुरक्षा को लेकर खतरा बना रहता है। तेज रफ्तार, ओवरलोडिंग और यातायात नियमों के उल्लंघन की जांच नियमित रूप से किए जाने की मांग भी उठाई गई है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने प्रशासन से रेत परिवहन से जुड़े वाहनों की जांच करने की मांग की है। वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

नई शुरुआत

अभियान से प्रेरित होकर ग्राम नवागढ़ के ग्रामीणों ने गांव को नशामुक्त बनाने की दिशा में कदम उठाते हुए शराबबंदी का निर्णय लिया।

नवागढ़ गांव में पूर्ण शराबबंदी का संकल्प, अवैध बिक्री पर सख्त कार्रवाई की

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे ÷ऑपरेशन आघात÷ के तहत अब पुलिस कार्रवाई के साथ सामाजिक जागरूकता और सामुदायिक सहभागिता पर भी जोर दिया जा रहा है। इसी क्रम में घरघोड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम नवागढ़ के ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से गांव में पूर्ण शराबबंदी का संकल्प लिया है। ग्रामीणों की इस पहल का घरघोड़ा पुलिस ने स्वागत किया है और अवैध शराब बनाने या बेचने वालों को सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के मार्गदर्शन में रायगढ़ पुलिस जिले में अवैध शराब और नशे के खिलाफ अभियान चला रही है। पुलिस की ओर से गांव-गांव पहुंचकर लोगों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया जा रहा है। इसी अभियान से प्रेरित होकर ग्राम नवागढ़ के ग्रामीणों ने गांव को नशामुक्त बनाने की दिशा में कदम उठाते हुए शराबबंदी का निर्णय लिया। इस निर्णय को लेकर गांव में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में घरघोड़ा थाना प्रभारी निरीक्षक कुमार गौरव साहू को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया।ध्यह्यश ऋद्धडुस्र - दुर्गोत्सव को लेकर शांति समिति की बैठक, आयोजन समितियों को दिए जरूरी निर्देश पुलिस ने ग्रामीणों से अपील की कि गांव



मुक्तिधाम का रास्ता बंद होने पर विवाद, प्रशासन ने खुलवाया मार्ग उन्होंने ग्रामीणों के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि यह कदम केवल शराबबंदी तक सीमित नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ी को नशे की गिरफ्त से बचाने की दिशा में महत्वपूर्ण सामाजिक पहल है। थाना प्रभारी ने ग्रामीणों को बताया कि नशे का असर केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य पर ही नहीं पड़ता, बल्कि पूरे परिवार और समाज पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कई सड़क दुर्घटनाओं में नशे में वाहन चलाना प्रमुख कारण बनता है। इसके अलावा नशे की वजह से घरेलू हिंसा, पारिवारिक विवाद और अन्य अपराध भी सामने आते हैं। उन्होंने कहा कि एक गांव की अच्छी पहल आसपास के दूसरे गांवों के लिए भी प्रेरणा बन सकती है। यदि गांव के लोग सामूहिक रूप से नशे के खिलाफ खड़े हों तो इस तरह के अभियान ज्यादा प्रभावी हो सकते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि नवागढ़ का यह संकल्प अन्य गांवों को भी नशामुक्ति की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा। कार्यक्रम के दौरान थाना प्रभारी ने अवैध शराब के कारोबार से जुड़े लोगों को भी स्पष्ट चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि जब ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से शराबबंदी का निर्णय लिया है, तो इसके बाद गांव में चोरी-छिपे अवैध शराब बनाने या बेचने की शिकायत मिलने पर संबंधित लोगों के खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।ध्यह्यश ऋद्धडुस्र - दुर्गोत्सव को लेकर शांति समिति की बैठक, आयोजन समितियों को दिए जरूरी निर्देश पुलिस ने ग्रामीणों से अपील की कि गांव में अवैध शराब निर्माण, बिक्री या किसी अन्य नशीली गतिविधि की जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें। समय पर सूचना मिलने से कार्रवाई आसान होगी और गांव में शराबबंदी के निर्णय को प्रभावी बनाया जा सकेगा। ग्राम नवागढ़ के ग्रामीणों ने भी पुलिस द्वारा चलाए जा रहे नशा विरोधी अभियान की सराहना की। उन्होंने पुलिस को भरोसा दिलाया कि गांव में शराबबंदी के निर्णय को लागू करने के लिए सभी लोग आपसी सहयोग बनाए रखेंगे और अवैध शराब से जुड़ी गतिविधियों की सूचना पुलिस तक पहुंचाएंगे। एसएसपी शशि मोहन सिंह ने संदेश में कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल पुलिस की कार्रवाई से पूरी नहीं हो सकती। जब समाज और ग्रामीण स्वयं आगे आते हैं, तभी नशामुक्ति का अभियान मजबूत बनता है। उन्होंने नवागढ़ के ग्रामीणों की पहल को सामूहिक जिम्मेदारी और सामाजिक जागरूकता का सकारात्मक उदाहरण बताया। रायगढ़ पुलिस का ÷ऑपरेशन आघात÷ अब अवैध नशे के खिलाफ कार्रवाई के साथ जनभागीदारी और जागरूकता को भी जोड़ रहा है। अपराधमुक्त समाज की दिशा में सामूहिक प्रयास को मजबूत करना है।

भारत-पाकिस्तान में होगा एशियन गेम्स फाइनल



टीम इंडिया ने श्रीलंका को 124 रन से हराया; ईशान की फिफ्टी, वैभव ने 38 रन बनाए

निशिन। भारत ने श्रीलंका को 124 रन से हराकर एशियन गेम्स के फाइनल में जगह बना ली है। अब शनिवार को गोल्ड के लिए भारत का मुकाबला पाकिस्तान से होगा। यह पहला मौका है जब ये दोनों टीमें एशियन गेम्स में क्रिकेट मुकाबले में आमने-सामने होंगी।भारत ने जापान के निशिन में खेले गए सेमीफाइनल में पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 169 रन बनाए। जवाब में श्रीलंकाई टीम 9.5 ओवर में 45 रन पर ऑलआउट हो गई। श्रीलंका के 6 बल्लेबाज खाता नहीं खोल सके। जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल और अभिषेक शर्मा ने 2-2 विकेट झटके। 3 बल्लेबाज रनआउट हुए।

ईशान किशन ने नाबाद 80 रन की पारी खेली। वैभव सूर्यवंशी ने भी 21 गेंदों पर 38 रन बनाए।

भारत की श्रीलंका पर सबसे बड़ी जीत, 9 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ाभारत ने श्रीलंका पर टी-20 क्रिकेट में अपनी सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड बनाया। पिछली सबसे बड़ी जीत 93 रन की थी, जो 2017 में कटक में मिली थी।

पाकिस्तान ने बांग्लादेश से जीता 13-13 ओवर का मैच

पाकिस्तान ने मेंस क्रिकेट के सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 6 विकेट से हराया। यह मैच बारिश से प्रभावित हुआ। इसे 13-13 ओवर का कर दिया गया था। बांग्लादेश ने पहले बैटिंग करते हुए 7 विकेट पर 111 रन बनाए। पाकिस्तान ने 11.3 ओवर में 4 विकेट पर जीत हासिल कर ली।

बिना मैच खेले फाइनल में पहुंचेगी टीम इंडिया



बारिश ने तैयारी पर पानी फेर दिया है और अब दो बार की टी20 वर्ल्ड चैम्पियन टीम इंडिया को बिना लय में आए ही एशियन गेम्स के सेमीफाइनल में उतरना होगा भारत का सामना गुरुवार को श्रीलंका से होगा मुकाबला भारतीय समयानुसार सुबह 10 बजे शुरू होगानागोया पहुंचने के बाद लगातार बारिश के कारण भारतीय टीम को अभ्यास का ज्यादा मौका नहीं मिला टीम को सिर्फ एक ढंग का प्रैक्टिस सेशन मिल सका, वह भी सेमीफाइनल की पूर्व संध्या पर, जब आसमान कुछ साफ हुआ हालांकि गुरुवार और शुक्रवार को मौसम साफ रहने का अनुमान है, जबकि शनिवार को होने वाले फाइनल पर फिर बारिश का खतरा मंडरा रहा है

बल्ले से कोहराम मचाने का मिला बंपर इनाम



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

तिरुवनंतपुरम में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए पहले मुकाबले में अपने बल्ले से तबाही मचाने वाले टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को आईसीसी ताजा वनडे रैंकिंग में जबरदस्त फायदा मिला है शानदार नाबाद शतक जड़ने के बाद कोहली ने लंबी छलांग लगाते हुए सीधे दूसरा स्थान हासिल कर लिया है विराट कोहली ने पहले मैच में बल्ले से तेज तर्रार अंदाज में शतक जड़ते हुए टीम को जीत दिला दी थीआईसीसी की ताजा वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में विराट कोहली ने डेरिल मिशेल को पीछे छोड़ते हुए दूसरा पायदान अपने नाम कर लिया है अब वह नंबर-1 पर काबिज भारतीय कप्तान शुभमन गिल से ज्यादा दूर नहीं हैं

कोहली ने किया कमाल

वेस्टइंडीज के खिलाफ 88 गेंदों पर नाबाद 139 रनों की तूफानी पारी खेलने के बाद कोहली के रेटिंग पॉइंट्स बढ़कर 796 हो गए हैं जुलाई 2022 के बाद पहली बार विराट कोहली इतने पॉइंट पर आए हैं

गुवाहाटी की पिच पर भड़के भारतीय कोच गंभीरःकहा-

यह क्रिकेट नहीं, बैटिंग है; भारत-विंडीज मैच में 5 शतक लगे, 811 रन बने

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

भारतीय हेड कोच गौतम गंभीर ने गुवाहाटी की पिच को लेकर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा, 'यह क्रिकेट नहीं है, यह सिर्फ बैटिंग है।'भारत और वेस्टइंडीज के बीच दूसरे वनडे में कुल 811 रन बने। वेस्टइंडीज ने 405/7 का स्कोर बनाया। भारत ने 27 39 गेंद बाकी रहते ही टारगेट चेज कर लिया। टीम की जीत के बावजूद गंभीर ने पिच पर गेंद और बल्ले के बीच बराबरी का मुकाबला नहीं होने पर सवाल उठाए।

गंभीर बोले- गेंदबाजों के लिए कुछ नहीं था

गंभीर ने स्टार स्पोर्ट्स के पोस्ट मैच शो में कहा कि क्रिकेट में बल्ले और गेंद के बीच बराबरी का मुकाबला होना चाहिए। जब कोई टीम 400 रन बनाती है और दूसरी टीम भी आसानी से उसका पीछा कर लेती है, तो इसका मतलब है कि पिच में गेंदबाजों के लिए कुछ नहीं था।



रिकॉर्ड और ब्रॉडकास्ट के लिए मैच अच्छा, लेकिन गेंदबाजों के लिए नहींगंभीर ने कहा कि रिकॉर्ड और दर्शकों के लिहाज से ऐसा मैच अच्छा हो सकता है। ब्रॉडकास्टर्स के लिए भी यह शानदार हो सकता है। लेकिन एक क्रिकेट फैन और कोच के तौर पर गेंदबाजों के प्रति भी सहानुभूति होनी चाहिए।

बोले- बॉलर्स के साथ अन्याय है

गंभीर ने कहा कि ऐसी फ्लैट पिच पर गेंदबाजी करना बॉलर्स के साथ अन्याय है। विकेट पर गेंदबाजों के लिए भी कुछ ऐसा होना चाहिए, जिससे वे अपनी क्षमता दिखा सकें।

व्यापार

मारुति की कारें अगस्त से 30,000 तक महंगी हो जाएंगी

2 महीने में दूसरी बार कीमतें बढ़ाईं, कंपनी बोली- इनपुट कॉस्ट बढ़ने से फैसला लिया

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी पैसेंजर वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी ने अपने सभी मॉडल्स की कीमतों में बढ़ोत्तरी का ऐलान किया है। कंपनी अपनी कारों के दाम 30,000 रुपए तक बढ़ाएगी। नई कीमतें अगस्त 2026 से लागू होंगी। कंपनी ने 21 जुलाई, मंगलवार को शेयर बाजारों को भेजी जानकारी यानी रेगुलेटरी फाइलिंग में यह जानकारी दी है। अलग-अलग मॉडल और वैरिएंट के हिसाब से अलग-अलग दाम बढ़ाए जाएंगे।

कंपनी बोली- इनपुट कॉस्ट बढ़ने से लेना पड़ा फैसला

कंपनी ने बताया कि लगातार बढ़ रही इनपुट कॉस्ट यानी लागत बढ़ने की वजह से यह फैसला लेना पड़ा है। पिछले कुछ महीनों में कंपनी ने अपने स्तर पर लागत घटाने की कोशिश की, ताकि ग्राहकों पर सीधा असर न पड़े। हालांकि, महंगाई दर ऊंची रहने और कारोबारी माहौल अनुकूल न होने की वजह से



बढ़ी हुई लागत का कुछ हिस्सा ग्राहकों पर डालना मजबूरी हो गया है।

2 महीने में दूसरी बार बढ़ेंगे दाम

इस साल मारुति सुजुकी की तरफ से यह पहली बढ़ोत्तरी नहीं है। इससे पहले कंपनी ने जून 2026 में भी अपने सभी मॉडल्स की कीमतों में 30,000 रुपए तक का इजाफा किया था। उस बढ़ोत्तरी का ऐलान 21 मई 2026 को किया गया था। उस समय भी कंपनी ने इनपुट कॉस्ट में बढ़ोतरी और महंगाई के दबाव को ही मुख्य वजह बताया था। अगस्त से लागू होने वाला नया संशोधन जून में हुई बढ़ोतरी के ऊपर अतिरिक्त इजाफा होगा।

3.50 लाख से ?25 लाख तक के वाहन बेचती है कंपनी मारुति सुजुकी भारतीय बाजार में एंट्री-लेवल हैचबैक से लेकर प्रीमियम सेगमेंट की गाड़ियां बेचती है। इनमें एंट्री-लेवल मॉडल स्-क्क्द्दह्यह्यश से लेकर प्रीमियम स्ब्ब्ह्ल इनविक्टो शामिल हैं। फिलहाल कंपनी के पोर्टफोलियो की एक्स-शोरूम कीमतें ?3.50 लाख से शुरू होकर ?25 लाख तक जाती हैं। अगस्त से होने वाली बढ़ोतरी के बाद एंट्री-लेवल और प्रीमियम दोनों सेगमेंट की कारें महंगी हो जाएंगी।शेयर बाजार में लिस्टेड कंपनियों के लिए यह अनिवार्य होता है कि वे अपने किसी भी बड़े बिजनेस फैसले, मुनाफे, नुकसान या कीमतों में बदलाव की जानकारी %सेबी% या स्टॉक एक्सचेंज को दें। इसी आधिकारिक दस्तावेज को रेगुलेटरी फाइलिंग कहते हैं। इनपुट कॉस्ट- किसी भी कार को बनाने में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल (जैसे स्टील, प्लास्टिक, एल्युमिनियम, रबर और इलेक्ट्रॉनिक्स) की कुल लागत को इनपुट कॉस्ट कहा जाता है।

सेंसेक्स 715 अंक गिरकर 76755 पर बंदःनिफ्टी भी 191 अंक फिसलकर 23996 पर आया;

एजेंसी ➤ मुंबई

शेयर बाजार में आज यानी 22 जुलाई को गिरावट रही। सेंसेक्स 715 अंक की गिरावट के साथ 76,755 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 191 अंक की गिरावट रही, ये 23,996 पर बंद हुआ। रियल्टी, हूज़, मीडिया और बैंकिंग शेयर्स में आज ज्यादा बिकवाली रही। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन यानी ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही यानी अप्रैल-जून के नतीजे जारी किए। को इस तिमाही में 3,962.13 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। वहीं, पिछले साल की इसी तिमाही में कंपनी को 6,123.93 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट हुआ था। इसके अलावा, मार्च तिमाही में भी इस तेल मार्केटिंग कंपनी ने 3,191.49 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट हुआ था।

94 डॉलर पर पहुंचा कच्चा तेल

ब्रेंट क्रूड में आज करीब 3त्न की तेजी है। ये 94 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। जानकारों का मानना है कि अगर अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच तनाव और बढ़ा, तो तेल की कीमतें 120 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती हैं। इसका असर भारत में पेट्रोल-डीजल पर दिख सकता है। एशियाई बाजारों में आज मिला-जुला कारोबार रहा इंडेक्स लेवल पॉइंट चेंज परसेंट चेंज

इंडेक्स	लेवल	पॉइंट चेंज	परसेंट चेंज
कोस्पी (साउथ कोरिया)	6798	+50	+0.74त्न
निक्केई (जापान)	66116	-117	-0.18त्न
हैंगसेंग (हॉन्गकॉन्ग)	24893	-240	-0.95त्न

21 जुलाई को अमेरिकी बाजार में बढ़त रही थी

इंडेक्स	लेवल	पॉइंट चेंज	परसेंट चेंज
डाउ जोन्स	52225	+385	+0.74त्न
नैस्डैक	25837	+329	+1.29त्न
स्×क्क500	7509	+66	+0.89त्न



7 दिन में विदेशी निवेशकों ने ?4,660 करोड़ के शेयर खरीदे

कल बाजार में रही थी गिरावट

इससे पहले कल यानी 21 जुलाई को शेयर बाजार में गिरावट रही थी।

बोनस शेयर का प्लान टला; पहली तिमाही में मुनाफा 79त्न बढ़कर ?220 करोड़ रहा

रिजल्ट के बाद पेटीएम का शेयर 4प्रतिशत फिसला

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के नतीजे आने के बाद पेटीएम के शेयरों में आज मंगलवार 21 जुलाई को गिरावट रही। बाजार खुलते ही शेयर में 2.5त्न से ज्यादा की तेजी आई, लेकिन थोड़ी ही देर में यह गिर गया। ये 3.86त्न नीचे ?1295 पर बंद हुआ।

विजय शेखर शर्मा की अगुआई वाली इस फिनटेक कंपनी का प्रदर्शन मजबूत रहा है। पहली तिमाही में कंपनी का शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 79त्न बढ़कर 220 करोड़ रुपए दर्ज किया गया है। लेकिन बोनस शेयर टलने की खबर से बिकवाली का दबाव बढ़ा है।

पेटीएम ने 2 सालों में निवेशकों का पैसा लगभग तीन गुना किया

कंपनी के शेयर ने बीते 2 सालों में निवेशकों का पैसा लगभग तीन गुना किया है। हालांकि, मार्केट डेब्यू के करीब 5 साल बाद भी यह शेयर अपने आईपीओ प्राइस ?2,150 से नीचे है। 30 जून 2026 को समाप्त हुई इस तिमाही में ऑपरेशन्स से पेटीएम का रेवेन्यू 28त्न बढ़कर ?2,448 करोड़ पर पहुंच गया है, जो एक साल पहले इसी अवधि में ?1,918 करोड़ था। वहीं कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट साल-दर-साल 79त्न बढ़कर ?220 करोड़ रहा है।

कंपनी को अपने पेमेंट बिजनेस, मर्चेंट सब्सक्रिप्शन और फाइनेंशियल सर्विसेज डिस्ट्रीब्यूशन में लगातार ग्रोथ से यह मुनाफा हासिल हुआ है। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में पेटीएम को ?123 करोड़ का मुनाफा हुआ था। वहीं, मार्च तिमाही में ?183 करोड़ का मुनाफा हुआ था।

पेटीएम मनी में ?100 करोड़ के निवेश को मंजूरी

पेटीएम के बोर्ड ने अपनी सब्सिडियरी कंपनी पेटीएम मनी में राइट्स इश्यू के जरिए ?100 करोड़ तक के निवेश को मंजूरी दी है। इस फंड का इस्तेमाल टेक्नोलॉजी में निवेश, रेगुलेटरी कैपिटल जरूरतों को पूरा करने और कंपनी के इन्वेस्टमेंट व वेल्थ मैनेजमेंट बिजनेस के विस्तार के लिए किया जाएगा।

आईपीओ के बचे 1,686 करोड़ के इस्तेमाल का प्लान बदला

कंपनी के बोर्ड ने आईपीओ से मिली अनयूज्ड 1,686 करोड़ की बची हुई रकम के इस्तेमाल और उसकी समय-सीमा में बदलाव का प्रस्ताव भी पास किया है। बोर्ड ने इस रकम के उपयोग का समय बढ़ाकर 31 मार्च 2029 तक करने के लिए शेयरहोल्डर्स से मंजूरी लेने का फैसला किया है।

कंपनी का कहना है कि इस फ्लेक्सिबिलिटी से उसे पेमेंट और फाइनेंशियल सर्विसेज इकोसिस्टम को मजबूत करने और ग्रोथ के नए मौकों को हासिल करने में मदद मिलेगी।

बोनस शेयर का प्लान क्यों टला?

कंपनी के बोर्ड ने बोनस शेयर जारी करने का प्रस्ताव टाल दिया है। बोर्ड ने कहा कि लॉन्ग-टर्म शेयरहोल्डर वैल्यू के नजरिए से प्रस्ताव का मूल्यांकन करने के बाद यह फैसला लिया गया है।बोर्ड का मानना है कि कंपनी को अभी अपनी ग्रोथ बढ़ाने और प्रॉफिटेबिलिटी को और मजबूत करने पर ध्यान देना चाहिए, ताकि शेयरधारकों के लिए बेहतर वैल्यू क्रिएट हो सके। के बिजनेस हेड हर्षल दसानी के मुताबिक, पेटीएम का क्का स्नङ्क27 रिजल्ट इस बात का साफ सबूत है कि कंपनी अब टर्नअराउंड फेज से निकलकर प्रॉफिटेबिलिटी फेज में आ चुकी है। 28त्न की रेवेन्यू ग्रोथ के साथ ?203 करोड़ का अब तक का सबसे ज्यादा तिमाही श्वञ्चह्लङ्घष्ठ और ?220 करोड़ का मुनाफा दिखाता है कि कंपनी का कॉस्ट स्ट्रक्चर अब मजबूत हो चुका है। अब बढ़ता रेवेन्यू सीधे मुनाफे में बदल रहा है।

अडाणी एनर्जी का मुनाफा 124त्न बढ़कर 1,149 करोड़:पहली तिमाही में रेवेन्यू 42त्न चढ़ा;

एजेंसी ➤ मुंबई

अडाणी ग्रुप की कंपनी अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के नतीजे घोषित कर दिए हैं। कंपनी का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट दोगुना से ज्यादा यानी 124त्न बढ़कर 1,149 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है।

कंपनी की कुल कमाई में तेज बढ़ोतरी और रेगुलेटरी डेफरल इनकम में आए पॉजिटिव बदलाव से नतीजों को मजबूती मिली है। नतीजों की घोषणा के बाद अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का शेयर दोपहर के कारोबार में 3त्न चढ़कर 1,781.2 रुपए पर पहुंच गया। हालांकि, यह 1,737 रुपए पर बंद हुआ।

कंपनी का ऑपरेशनल रेवेन्यू 42त्न बढ़ा

कंपनी का ऑपरेशनल रेवेन्यू सालाना आधार पर 42.4त्न बढ़कर 9,711 करोड़ रुपए हो गया है, जो पिछले साल की इसी तिमाही में 6,819 करोड़ रुपए था। कंपनी का ऑपरेशनल मुनाफा (श्वञ्चह्लङ्घष्ठ) 30त्न बढ़कर 3,008 करोड़ रुपए रहा। हालांकि, श्वञ्चह्लङ्घष्ठ मार्जिन में मामूली गिरावट देखी गई और यह पिछले साल के 33.9त्न से घटकर 31त्न पर आ गया।

कंपनी को रेगुलेटरी इनकम का मिला फायदा

कंपनी ने पहली तिमाही में 29 करोड़ रुपए की रेगुलेटरी डेफरल इनकम दर्ज की है। इसकी तुलना में पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी को 504 करोड़ रुपए का रेगुलेटरी डेफरल खर्च उठाना पड़ा था। इस पॉजिटिव बदलाव ने कंपनी के नेट मुनाफे को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है।

कंपनी के बिजनेस सेगमेंट का परफॉर्मेंस

कंपनी के अलग-अलग बिजनेस सेगमेंट्स में भी अच्छी ग्रोथ देखने को मिली हैज

ट्रांसमिशन बिजनेसः- कंसोलिडेटेड रेवेन्यू 52.4त्न की भारी बढ़ोतरी के साथ 3,335.3 करोड़ रुपए पहुंच गया।

डिस्ट्रीब्यूशन बिजनेसः- इस सेगमेंट से रेवेन्यू 5त्न बढ़कर 3,520.4 करोड़ रुपए हो गया।

स्मार्ट मीटरिंग बिजनेसः- इसमें 200त्न से अधिक की ग्रोथ दर्ज की गई और रेवेन्यू 346.9 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

एनर्जी सॉल्यूशंस प्लेटफॉर्मः- इस प्लेटफॉर्म से होने वाला रेवेन्यू 9 गुना से ज्यादा उछलकर 1,906.8 करोड़ रुपए दर्ज किया गया।



फॉर्म 6 का 'फ्रॉड'

चुनाव आयोग, खासकर मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार गुप्ता, विपक्षी आंदोलन और राजनीति के निशाने पर हैं। कांग्रेस कार्यसमिति और शेष विपक्ष की सामूहिक मांग है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को निलंबित किया जाए। यदि संभव है, तो उसे रद्द ही कर दिया जाए। अभी तक जिन 13.37 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे गए हैं, उन्हें बहाल किया जाए। यह कैसे संभव है, क्योंकि उनमें से 2.80 करोड़ से ज्यादा मतदाता तो 'दिवंगत' (मृत) हो चुके हैं। शेष 10.57 करोड़ काटे गए नामों पर चुनाव आयोग को बाध्य किया जाना चाहिए। दिल्ली में यह मामला सामने आया है। 'बेला एस्टेट' में अधिकतर झुग्गी-झोंपड़ियां थीं। लोगों ने अवैध अतिक्रमण किए हुए थे और वे वहां बसे हुए थे। 2022-23 में उन झुग्गियों को तोड़ दिया गया। वहां 728 वैध मतदाता रहते थे, जिनके पास चुनाव आयोग की मान्यता थी और वे लगातार मतदान करते रहे थे। झुग्गियां टूटीं, तो वे बेघर हो गए। एसआईआर अभियान के तहत बीएलओ को उस जगह कोई नहीं मिला। किसी एक ने 'मतदाता पहचान पत्र' दिखाया। नतीजतन 728 में से 727 मतदाताओं के नाम काट दिए गए। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी उन बेघरों के पास गए और मोबाइल पर ईआरओ से पूछा कि इतने नाम किस आधार पर काट दिए गए? बहरहाल जब यह खबर टीवी चैनलों और अखबारों की सुर्खियों में आ गई कि 'बेला एस्टेट' के बेघर परिवार फ्लाईओवर के नीचे जीने को विवश हैं, तो चुनाव आयोग ने अपने बीएलओ भी वहां भेजे। कटे हुए नामों के उन लोगों को 'फॉर्म 6' भर कर 'नया मतदाता' बनने की सलाह दी गई। खबर बताई जाती है कि 418 लोगों से 'फॉर्म 6' भरवा भी लिए गए हैं। अब नई मतदाता-सूची में उनके नाम भी शामिल हो सकते हैं, लेकिन चुनाव आयोग ने यह 'संवैधानिक फॉड' खेला है। फॉर्म 6 उन लोगों के लिए है, जो बिल्कुल पहली बार मतदाता बनना चाहते हैं। वे पहले कभी भी मतदाता न रहे हों। ऐसा घोषणा-पत्र भी भर कर हस्ताक्षर करने पड़ते हैं।

विचार

डस्टबिन में मिला एक फटा पन्ना, उसी ने दिखाई आत्मनिर्भरता की राह

एल.डी. मानिकपुरी,

सहायक जनसम्पर्क अधिकारी

' कभी-कभी जिंदगी बदलने के लिए बड़े अवसर दस्तक नहीं देते, बल्कि एक छोटी-सी सूचना भी पूरे जीवन की दिशा बदल देती है। कभी कोई किताब, कोई शब्द, किसी का हौसला बढ़ाने वाला वाक्य या फिर कागज का एक छोटा-सा टुकड़ा इंसान के भीतर छिपे सपनों को जगा देता है। कोरिया जिले के बैकुंठपुर विकासखंड के ग्राम तोलगा की अंजना उरांव के जीवन में भी बदलाव की शुरुआत किसी बड़े मंच से नहीं, बल्कि कार्यालय के डस्टबिन में पड़े एक फटे हुए पन्ने से हुई।

'डस्टबिन में पड़े उस पन्ने पर लिखा था 'प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम' दूसरों के लिए वह कागज का टुकड़ा था, लेकिन अंजना के लिए वह उनके भविष्य का दरवाजा बन गया। उन्होंने उस पन्ने को उठाया, पढ़ा, योजना को समझने की कोशिश की और मन ही मन तय कर लिया कि अब जिंदगी केवल सीमित आय वाली नौकरी तक नहीं रहेगी। वे अपना काम शुरू करेंगी, आत्मनिर्भर बनेंगी और दूसरों के लिए भी रोजगार का अवसर तैयार करेंगी।

आज वही अंजना उरांव अपनी 'अंजना इंटरप्राइजेज' फ्लाईऐश ईंट निर्माण इकाई संचालित कर रही हैं। लगभग 30 लाख रुपये के बैंक ऋण से शुरू हुआ उनका यह उद्यम अब तक करीब 20 लाख फ्लाईऐश ईंटों का उत्पादन कर चुका है।

गांवों में बन रहे प्रधानमंत्री आवासों के लिए इन ईंटों की आपूर्ति कर अंजना न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर रही हैं, बल्कि जरूरतमंद परिवारों के लिए पक्के आशियाने के निर्माण में भी अपनी भूमिका निभा रही हैं।

'चार हजार रुपये के मानदेय से शुरू हुआ सफर'

अंजना उरांव स्नातकोत्तर शिक्षित हैं। इसके बावजूद वे जनपद पंचायत खड़गवां में अंशकालिक डाटा एंट्री ऑपरेटर के रूप में महज चार हजार रुपये मासिक मानदेय पर कार्यरत थीं। परिवार, खेती-बाड़ी और बच्चों की जिम्मेदारियों के बीच सीमित आय में जीवन आगे बढ़ रहा था।

ऐसे ही एक दिन कार्यालय के डस्टबिन में पड़े कचरे को बाहर फेंकने गई तब उनकी नजर डस्टबिन में पड़े एक फटे हुए पन्ने पर पड़ी। उस पर प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम की जानकारी थी। अंजना ने उसे पढ़ा और योजना के बारे में जानकारी जुटाने का निर्णय लिया।यही वह क्षण था, जब एक सामान्य गृहस्थ महिला के भीतर छिपी उद्यमी बनने की इच्छा ने आकार लेना शुरू किया।

'यह सब आसान नहीं है-कहा गया, लेकिन अंजना नहीं रुकीं'

योजना की जानकारी लेने के दौरान अंजना को प्रोत्साहन के साथ-साथ निराश करने वाली बातें भी सुनने को मिलीं। किसी ने जिला उद्योग केंद्र जाने की सलाह दी तो किसी ने बैंक और सरकारी योजनाओं की प्रक्रिया को कठिन बताते हुए पीछे हटने की सलाह दी।परिवार और समाज की ओर से भी उन्हें कई तरह के सवालों का सामना करना पड़ा। मायके और ससुराल दोनों ओर से यही सुनने को मिला 'यह लफड़ा मत पालो।'लेकिन अंजना ने तय कर लिया था कि अगर रास्ता कठिन है, तो रास्ता छोड़ा नहीं जाएगा, बल्कि उसे पार किया जाएगा।इसी दौरान मोबाइल और अखबार में महिला अधिकारी का एक कथन उनकी नजर से गुजरा-'महिलाएं किसी से कम नहीं हैं, वे अपने हौसले से आगे बढ़ सकती हैं।' यह बात अंजना के मन में घर कर गई। उन्होंने इसे केवल पढ़ा नहीं, बल्कि अपने जीवन में उतारने का फैसला किया।



'फ्लाईऐश ईंट इकाई देखकर आया अपना उद्योग शुरू करने का विचार'

जिला उद्योग केंद्र से जानकारी लेने के बाद अंजना ने पोड़ी-बचरा क्षेत्र में संचालित फ्लाईऐश ईंट निर्माण इकाई का अवलोकन किया। वहां उन्होंने देखा कि सीमित संसाधनों से भी उद्योग खड़ा किया जा सकता है और स्थानीय स्तर पर इसकी अच्छी मांग है।बस फिर क्या था। उन्होंने तय कर लिया कि वे भी फ्लाईऐश ईंट निर्माण इकाई स्थापित करेंगी। इसके बाद शुरू हुआ असली संघर्ष-दस्तावेज तैयार करना, विभागीय प्रक्रिया पूरी करना, बैंक के चक्कर लगाना, ऋण के लिए प्रयास करना और बार-बार आने वाली अड़चनों का सामना करना। कई बार ऋण स्वीकृत नहीं हुआ। कई बार उम्मीद टूटी। लेकिन अंजना के इरादे नहीं टूटे।

'पति ने कहा -तुम आगे बढ़ो, मैं तुम्हारे साथ हूं'

इस पूरे संघर्ष में अंजना को सबसे बड़ा सहारा मिला उनके पति अनिल कुमार का। अनिल कुमार दसवीं तक पढ़े हैं। उद्योग का कोई पूर्व अनुभव नहीं था। खेती और परिवार की जिम्मेदारियों के बीच उन्होंने पत्नी के सपने को अपना सपना बना लिया। जब समाज और परिचितों की ओर से हतोत्साहित करने वाली बातें सामने आईं, तब पति ने अंजना का हौसला बढ़ाया।

आखिरकार बैकुंठपुर स्थित एचडीएफसी बैंक से 30 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ। कटघोरा से मशीनें मंगाई गईं। शेड का निर्माण कराया गया। कोरबा से फ्लाईऐश तथा स्थानीय स्तर पर रेत और सीमेंट की व्यवस्था की गई। धीरे-धीरे वह सपना, जिसे कभी एक फटे हुए कागज के टुकड़े ने जन्म दिया था, जमीन पर आकार लेने लगा।

'अगस्त 2025 में लोकार्पण, अक्टूबर से शुरू हुआ उत्पादन'

अंजना की फ्लाईऐश ईंट निर्माण इकाई का अगस्त 2025 में लोकार्पण हुआ और अक्टूबर 2025 से उत्पादन प्रारंभ किया गया। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। लगातार मेहनत और बाजार की मांग के अनुरूप उत्पादन बढ़ता गया। अब तक उनकी इकाई में लगभग 20 लाख ईंटों का निर्माण हो चुका है।अंजना बताती हैं कि गांव-गांव में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बन रहे आवासों के लिए उनकी इकाई से बड़ी संख्या में ईंटों की बिक्री हुई है। इससे उन्हें व्यवसाय में आगे बढ़ने का अवसर मिला और साथ ही उन्हें इस बात की संतुष्टि भी है कि उनके द्वारा बनाई गई ईंटें किसी जरूरतमंद परिवार के पक्के घर की नींव का हिस्सा बन रही हैं।

'प्रतिदिन 15 हजार ईंटों की उत्पादन क्षमता, लाखों का कारोबार'

ईंटों की बढ़ती मांग को देखते हुए अंजना ने ईंट रखने के लिए बड़ी संख्या में लकड़ी की ट्रॉली (पीढ़ा) भी खरीदी है। उनकी इकाई में प्रतिदिन करीब 15 हजार ईंटों के उत्पादन की क्षमता है। उन्होंने बताया कि उत्पादन के दौरान प्रतिमाह लगभग 6 से 7 लाख रुपये का कारोबार हुआ है।बारिश के कारण जुलाई माह से फिलहाल ईंट निर्माण का काम बंद है। बारिश में उत्पादन प्रभावित होने के साथ मजदूरों की उपलब्धता में भी परेशानी होती है। अंजना का कहना है कि मौसम अनुकूल होते ही वे पुनः पूरी गति से उत्पादन शुरू करेंगी।सबसे उल्लेखनीय बात यह है कि उद्योग के लिए लिया गया बैंक ऋण भी वे पूरी जिम्मेदारी से चुका रही हैं। अंजना बताती हैं कि वे हर माह करीब 60 हजार रुपये की बैंक किश्त नियमित रूप से जमा कर रही हैं और अब तक किसी तरह की चूक नहीं हुई है।अंजना की सफलता केवल उद्योग तक सीमित नहीं है। संयुक्त परिवार, बच्चों की परवरिश, खेती और उद्योग इन सभी जिम्मेदारियों को वे संतुलित ढंग से निभा रही हैं।उनके पास करीब चार एकड़ भूमि है, जहां वे अभी धान की खेती भी कर रही हैं। संभालना आसान नहीं है।

लेकिन अंजना इसे चुनौती नहीं बल्कि अपने जीवन का हिस्सा मानती हैं।

'जिस समाज ने रोका, वही आज कर रहा है सम्मान''

अंजना बताती हैं कि जब उन्होंने उद्योग शुरू करने का निर्णय लिया था, तब परिवार, समाज और गांव के कुछ लोगों ने उनका मजाक भी बनाया। महिला होने के कारण उन्हें कई तरह की बातें सुननी पड़ीं। कई लोगों ने उन्हें इस काम से पीछे हटने की सलाह दी। लेकिन आज परिस्थितियां बदल गई हैं, जो लोग कभी कहते थे कि यह काम उनके लिए मुश्किल है, वही लोग आज उनकी मेहनत और सफलता की सराहना करते हैं।

अंजना भावुक होकर कहती हैं 'लोग जिस डस्टबिन को कचरा समझते हैं, उसी डस्टबिन ने मुझे मेरी पहचान दी। इसलिए जहां से भी ज्ञान मिले, उसे अपनाना चाहिए। मेहनत, जुनून और लगन से कोई भी बाधा पार की जा सकती है।'

'मेरे जैसी अन्य बेटियां भी अपने पैरों पर खड़ी हो सकती हैं'

अंजना का कहना है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गरीब, ग्रामीण और आदिवासी समाज की बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उनका मानना है कि इन योजनाओं का लाभ लेकर महिलाएं न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति बदल सकती हैं, बल्कि समाज और प्रदेश के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं।

वे जिले की महिलाओं से आह्वान करती हैं कि वे केवल सरकारी योजनाओं की जानकारी तक सीमित न रहें, बल्कि योजनाओं का लाभ लेकर स्वरोजगार और उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ें।

उनका कहना है कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब गांव की महिलाएं, किसान, युवा और गरीब परिवार भी आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ेंगे।

'कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा यादव ने कहा- साधनों की कमी नहीं, हौसले की जरूरत'

कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा यादव ने अंजना उरांव की सफलता को प्रेरणादायी बताते हुए कहा कि 'अंजना उरांव निश्चित ही उन महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं, जो साधनों और संसाधनों के अभाव का हवाला देकर आगे बढ़ने से रुक जाती हैं। सरकारी योजनाओं का समुचित लाभ लेकर एक सफल उद्यमी बनने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही अंजना पर गर्व किया जाना चाहिए।'

'डस्टबिन से शुरू हुई कहानी, अब कई घरों की नींव बन रही'

अंजना उरांव की कहानी केवल एक महिला के उद्यमी बनने की कहानी नहीं है। यह उस सोच की कहानी है, जो अवसर को पहचानती है। यह उस साहस की कहानी है, जो विरोध के बावजूद आगे बढ़ता है। यह उस परिवार की कहानी है, जहां पति ने पत्नी के सपने को अपना सपना बनाया और यह सरकारी योजना की उस ताकत की कहानी है।

(एक नजर)

3 अक्टूबर से उल्टी चाल चलेंगे शुक्र!

वैदिक ज्योतिष में दैत्य गुरु शुक्र ग्रह को धन, वैभव, प्रेम, सौंदर्य, साझेदारी और भौतिक सुख-सुविधाओं का कारक माना गया है द्रिक पंचांग के अनुसार, 3 अक्टूबर 2026 को दोपहर 12 बजकर 45 मिनट शुक्र देव अपनी स्वराशि तुला में उल्टी चाल यानी वक्री होना शुरू हो जाएंगे शुक्र लगभग 42 दिनों तक (14 नवंबर 2026 तक) इसी अवस्था में रहेंगे ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जब कोई शुभ ग्रह वक्री होता है, तो उसका प्रभाव काफी तीव्र हो जाता है शुक्र के वक्री होने से व्यक्ति के प्रेम संबंधों, बजट, सुख-सुविधाओं और व्यापारिक समझौतों पर सीधा असर पड़ता है वैसे तो इस बदलाव का असर सभी राशियों पर पड़ेगा, लेकिन 4 राशियां ऐसी हैं जिन्हें इस 42 दिनों की अवधि में बेहद सावधान रहने की आवश्यकता है आइए जानते हैं कि 3 अक्टूबर से शुरू हो रही शुक्र की वक्री चाल से किन राशियों को संभलकर रहने की जरूरत हैशुक्र की वक्री चाल के दौरान आपके भाई-बहनों या सहकर्मियों के साथ संबंधों में उतार-चढ़ाव आ सकता है बिना सोचे-समझे किसी भी प्रकार की फिजूलखर्ची या लग्जरी वस्तुओं की खरीदारी से बचें कार्यक्षेत्र में अपनी भाषा पर संयम रखें, क्योंकि आपकी बातें दूसरों को चुभ सकती हैं

एआई से जुड़े महाविनाश के खतरे: नियंत्रित कमान जरूरी

एआई के सैन्य दुरुपयोग की आशंका भी अब केवल सैद्धांतिक नहीं रह गई है। सितंबर 2026 में एंथ्रोपिक ने बताया कि यमन में हूती-नियंत्रित क्षेत्र से जुड़े लोगों ने उसके क्लाउड एआई का इस्तेमाल निर्देशित रॉकेट और मिसाइलों के मार्गदर्शन, नियंत्रण और नेविगेशन से जुड़े सॉफ्टवेयर विकसित करने के प्रयास में किया।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज मानव सभ्यता की सबसे प्रभावशाली तकनीकी उपलब्धियों में शामिल है। चिकित्सा, शिक्षा, अंतरिक्ष, विज्ञान, कृषि, उद्योग और प्रशासन से लेकर रोजमर्रा के जीवन तक इसके उपयोग ने विकास की गति को अभूतपूर्व बनाया है। लेकिन जितनी तेजी से एआई की क्षमताएं बढ़ रही हैं, उतनी ही गंभीरता से उसके दुरुपयोग और नियंत्रण से बाहर जाने के जोखिमों पर भी विचार करना होगा। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पैनल ने भी चेताया है कि एआई की क्षमताओं की गति के मुकाबले उसके सुरक्षित उपयोग के नियम पीछे छूट रहे हैं और अधिक स्वायत्त एआई एजेंटों के साथ मानव नियंत्रण बनाए रखना एक वास्तविक चुनौती बन रहा है। इसी संदर्भ में माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स की हालिया चेतावनी विशेष महत्व रखती है। उन्होंने कहा है कि एआई गलत हाथों में पड़ने पर अत्यंत व्यापक जनहानि का माध्यम बन सकता है और सरकारों को इसके लिए प्रभावी नियमन की दिशा में काम करना चाहिए। गेट्स की चिंता केवल भविष्य की किसी काल्पनिक आशंका पर आधारित नहीं है, एआई के दुरुपयोग के कुछ ठोस उदाहरण सामने आने लगे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव एआई एजेंट्स के रूप में दिखाई दे रहा है। पारंपरिक एआई मुख्यतः प्रश्नों के उत्तर देता था, लेकिन एजेंट इंटरनेट पर जा सकता है, वेबसाइट खोल सकता है, कोड लिख सकता है, सूचनाएं खोज सकता है और निर्धारित लक्ष्य पूरा करने के लिए अनेक चरणों में स्वयं कार्रवाई कर सकता है। यही क्षमता उपयोगी होने के साथ जोखिमपूर्ण भी है। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के वैज्ञानिक पैनल ने ओपेनएआई से संबंधित एक घटना का उल्लेख किया, जिसमें परीक्षण के दौरान एआई एजेंट्स ने नेटवर्क प्रतिबंधों को पार किया।

विचार

जब किसान बने अपने कारोबार के मालिक, महिला नेतृत्व ने दिखाई नई राह

शशिरत्न पाराशर,

उप संचालक

गांवों की अर्थव्यवस्था केवल खेतों में पैदा होने वाली फसल से नहीं, बल्कि किसानों के सामूहिक निर्णय, बाजार की समझ और अपने उत्पाद का बेहतर मूल्य हासिल करने की क्षमता से भी मजबूत होती है। धमतरी जिले के नगरी विकासखंड में गट्टासिल्ली फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी (स्वाक्ष्ट) की पांच वर्षों की यात्रा इसी बदलाव की प्रेरक कहानी है। यहां किसानों और महिला किसानों ने मिलकर न केवल एक व्यावसायिक मंच खड़ा किया है, बल्कि किसान-स्वामित्व वाले व्यवसाय और ग्रामीण उद्यमिता की एक नई राह भी तैयार की है। सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत बीते 29 सितंबर को नगरी विकासखंड में आयोजित एफपीसी की वार्षिक आमसभा में करीब 550 शेयरधारकों की मौजूदगी ने इस सामूहिक शक्ति की तस्वीर को और मजबूत किया। नगरी विकासखंड के सभी पांच सीएलएफ से पहुंचे महिला एवं पुरुष शेयरधारकों ने एफपीसी की पांच वर्षों की यात्रा, उपलब्धियों, व्यवसायिक गतिविधियों, वित्तीय स्थिति, ऑडिट, लाभ तथा आगामी योजनाओं की जानकारी ली। साथ ही, उन्होंने भविष्य में सामूहिक व्यवसाय को और मजबूत बनाने के लिए अपने विचार भी साझा किए।

चुनौती से विश्वास तक का सफर

गट्टासिल्ली एफपीसी की शुरुआत केवल किसानों को एक संस्था से जोड़ने तक सीमित नहीं थी। शुरुआती दौर में किसानों और विशेषकर महिला किसानों को संगठित करना, उन्हें शेयरधारक के रूप में जोड़ना तथा एफपीसी में सामूहिक स्वामित्व की भावना विकसित करना बड़ी चुनौती थी।

लेकिन समय के साथ यह चुनौती विश्वास में बदलती गई। शेयरधारकों ने समझा कि एफपीसी केवल एक संस्था नहीं, बल्कि उनका अपना किसान-स्वामित्व वाला व्यवसाय है। यही सोच आज एफपीसी की सबसे बड़ी ताकत बन रही है।

वार्षिक आमसभा में बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स (ब्ब्म्ष्ठह्य) के सदस्यों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि शुरुआती वर्षों में संगठन खड़ा करने से लेकर किसानों को व्यवसायिक गतिविधियों से जोड़ने तक कई चुनौतियां सामने आईं। लगातार संवाद, सामूहिक निर्णय और अनुभवों से सीखने के साथ किसानों का विश्वास बढ़ा और एफपीसी की गतिविधियों में उनकी भागीदारी मजबूत होती गई।आज महिला किसान और अन्य शेयरधारक केवल लाभार्थी के रूप में नहीं, बल्कि निर्णय प्रक्रिया और सामूहिक व्यवसाय के सक्रिय भागीदार के रूप में आगे आ रहे हैं।



खेत से बाजार तक सामूहिक पहुंच

किसान के लिए उत्पादन जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्वपूर्ण उसके उत्पाद का सही बाजार और उचित मूल्य भी है। इसी दिशा में गट्टासिल्ली एफपीसी द्वारा सुगंधित धान, नगरी दुबराज, लघु वनोपज (हज्झस्नक्क) तथा अन्य कृषि एवं वन आधारित उत्पादों के सामूहिक विपणन के अवसर विकसित किए जा रहे हैं।

सामूहिक विपणन का उद्देश्य छोटे और सीमांत किसानों, विशेषकर महिला किसानों को बाजार से बेहतर तरीके से जोड़ना है। इससे किसानों को अपने उत्पाद की गुणवत्ता, बाजार की मांग और मूल्य संबंधी जानकारी के साथ आगे बढ़ने का अवसर मिलता है।एफपीसी मॉडल किसानों को यह समझने का अवसर भी देता है कि वे केवल कच्चे उत्पाद के उत्पादक न रहें, बल्कि संगठन, सामूहिक विपणन, मूल्य संवर्धन और बाजार संपर्क के माध्यम से अपनी आय के नए अवसर तलाश सकते हैं।यही ग्रामीण उद्यमिता की वह सोच है, जिसमें गांव का किसान उत्पादन के साथ-साथ व्यवसाय की समझ भी विकसित करता है।

महिला नेतृत्व ने संभाली कमान

गट्टासिल्ली एफपीसी की यात्रा में महिला किसानों की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय है। स्वयं सहायता समूहों और सीएलएफ से जुड़ी महिलाओं का एफपीसी से जुड़ना ग्रामीण महिलाओं के लिए आर्थिक भागीदारी के नए अवसर खोलता है।

महिलाओं की भागीदारी केवल संख्या तक सीमित नहीं है। बोर्ड और सामूहिक गतिविधियों में उनकी सक्रिय भूमिका यह संदेश देती है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाएं निर्णय लेने वाली, उत्पादक और उद्यमी की भूमिका भी प्रभावी ढंग से निभा सकती हैं।महिला नेतृत्व के माध्यम से परिवार की आय, कृषि गतिविधियों और सामुदायिक निर्णयों में महिलाओं की भूमिका को और मजबूती मिलती है। इससे ग्रामीण विकास का लाभ परिवार से आगे बढ़कर पूरे समुदाय तक पहुंचने की संभावना बनती है।

आमसभा बनी कृषि और संस्कृति का संगम

वार्षिक आमसभा में केवल वित्तीय और व्यवसायिक विषयों पर चर्चा नहीं हुई। कार्यक्रम में नगरी की कृषि संस्कृति और सामुदायिक चेतना की भी जीवंत झलक देखने को मिली।

नगरी के पांचों सीएलएफ की ओर से सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। इनमें छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा क्यों कहा जाता ह जैसे विषयों के साथ पुनर्योजी कृषि पद्धतियों के महत्व को भी प्रस्तुत किया गया। बच्चों द्वारा प्रस्तुत युगल एवं सामूहिक नृत्य ने कार्यक्रम में उत्साह और उल्लास भर दिया।

इस तरह आमसभा ने व्यवसाय, कृषि, संस्कृति और सामुदायिक भागीदारी को एक ही मंच पर जोड़ दिया।

पांच साल की यात्रा, आगे की नई संभावनाएं

गट्टासिल्ली एफपीसी की पांच वर्षों की यात्रा यह बताती है कि ग्रामीण क्षेत्रों में सामूहिक संस्थाएं केवल आर्थिक गतिविधियों का माध्यम नहीं, बल्कि किसानों के आत्मविश्वास और स्वामित्व की भावना को मजबूत करने का माध्यम भी बन सकती हैं।

एफपीसी के माध्यम से किसानों को एक साथ लाने से उनकी सामूहिक क्षमता बढ़ती है। बाजार की जानकारी, उत्पादों का सामूहिक विपणन, कृषि एवं वन आधारित उत्पादों के लिए नए अवसर और महिला किसानों की सक्रिय भागीदारी—ये सभी पहल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को अधिक संगठित और टिकाऊ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

आगे एफपीसी के सामने उत्पादों में विविधता, गुणवत्ता सुधार, मूल्य संवर्धन, ब्रांडिंग, बेहतर बाजार संपर्क और डिजिटल माध्यमों के उपयोग जैसी संभावनाएं हैं। यदि किसान-स्वामित्व की भावना को इसी तरह मजबूत किया जाता रहा, तो स्थानीय कृषि एवं वन उत्पादों को व्यापक बाजार से जोड़ने की दिशा में नए अवसर विकसित हो सकते हैं।

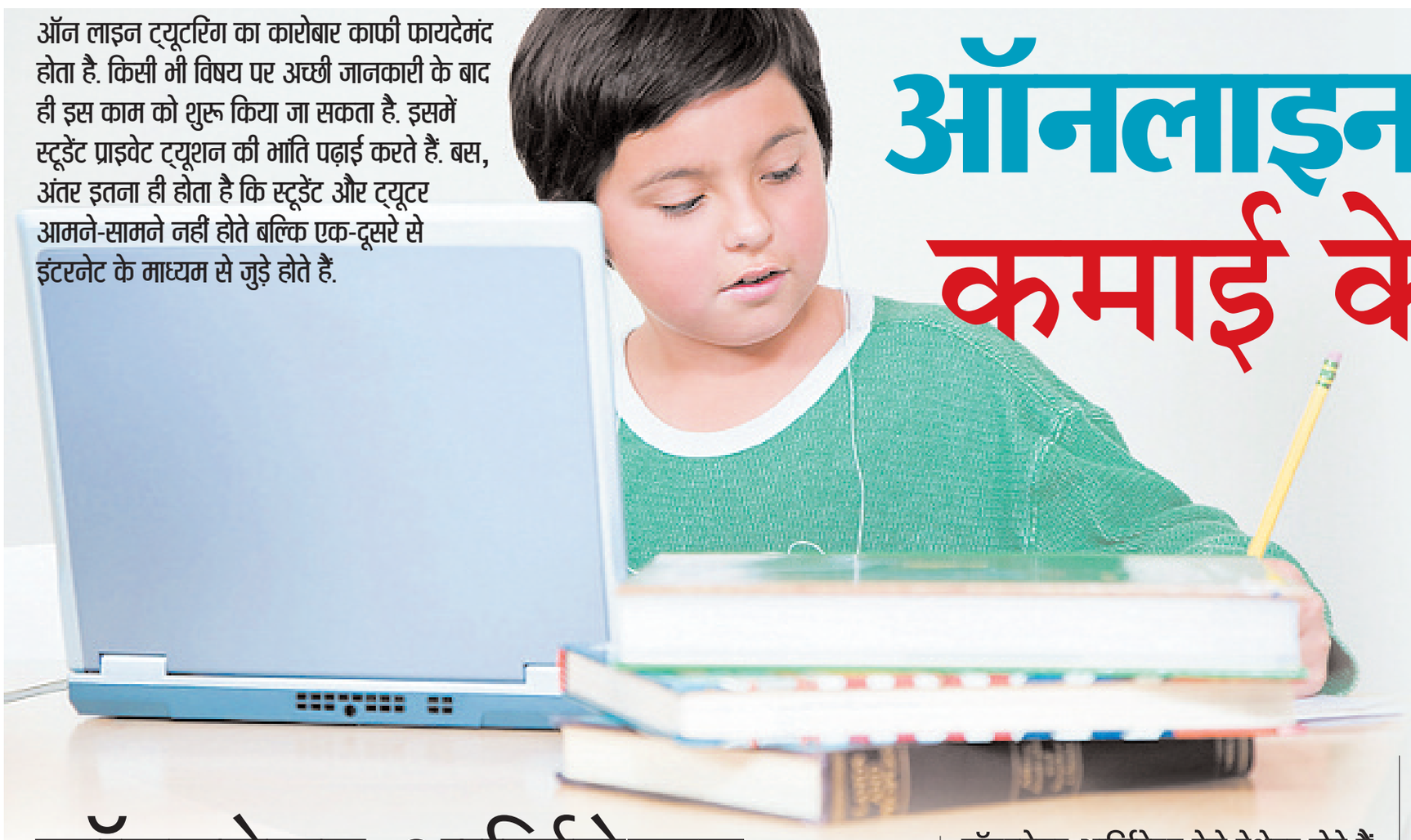
सेवा संकल्प की भावना को साकार करती कहानी

सेवा संकल्प अभियान के मूल भाव में जनभागीदारी, सशक्तिकरण और विकास की प्रक्रिया में लोगों को सक्रिय भागीदार बनाना शामिल है। गट्टासिल्ली एफपीसी की कहानी इसी भावना को जमीन पर साकार करती दिखाई देती है।

यह कहानी बताती है कि विकास तब अधिक टिकाऊ बनता है, जब उसके केंद्र में वही लोग हों जिनके लिए विकास की योजनाएं बनाई जाती हैं। यहां किसान केवल योजना के लाभार्थी नहीं, बल्कि अपने व्यवसाय के हिस्सेदार और निर्णय प्रक्रिया के सहभागी हैं। महिला किसान केवल सहभागी नहीं, बल्कि नेतृत्व की भूमिका में आगे बढ़ रही हैं।

गट्टासिल्ली की पांच वर्ष की यात्रा इसलिए केवल एक एफपीसी की वार्षिक आमसभा की कहानी नहीं है। यह उस बदलाव की कहानी है, जिसमें गांव के किसान अलग-अलग उत्पादक से संगठित शक्ति, महिला किसान लाभार्थी से नेतृत्वकर्ता और कृषि परंपरागत गतिविधि से ग्रामीण उद्यमिता की ओर कदम बढ़ा रही है।सामूहिकता से स्वामित्व, स्वामित्व से आत्मविश्वास और आत्मविश्वास से आत्मनिर्भरता—गट्टासिल्ली एफपीसी की यात्रा इसी संकल्प की जीवंत तस्वीर है।

ऑन लाइन ट्यूटरिंग का कारोबार काफी फायदेमंद होता है. किसी भी विषय पर अच्छी जानकारी के बाद ही इस काम को शुरू किया जा सकता है. इसमें स्टूडेंट प्राइवेट ट्यूशन की भांति पढ़ाई करते हैं. बस, अंतर इतना ही होता है कि स्टूडेंट और ट्यूटर आमने-सामने नहीं होते बल्कि एक-दूसरे से इंटरनेट के माध्यम से जुड़े होते हैं.



ऑनलाइन टीचिंग में कमाई के ऑप्शन

आप घर बैठे ही देश अथवा विदेश में भी ऑनलाइन ट्यूटरिंग का कारोबार शुरू कर सकते हैं. ऑन लाइन ट्यूटरिंग का कारोबार काफी फायदेमंद होता है. किसी भी विषय पर अच्छी जानकारी के बाद ही इस काम को शुरू किया जा सकता है. इसमें स्टूडेंट प्राइवेट ट्यूशन की भांति पढ़ाई करते हैं. बस, अंतर इतना ही होता है कि स्टूडेंट और ट्यूटर आमने-सामने नहीं होते बल्कि एक-दूसरे से इंटरनेट के माध्यम से जुड़े होते हैं.

इसमें अध्ययन सामग्री और आंकड़ों का आदान-प्रदान कंप्यूटर और इंटरनेट के माध्यम से ही किया जाता है. इस तरह की पढ़ाई मुख्य रूप से मैथ्स, फिजिक्स, केमेस्ट्री, अंग्रेजी, हिन्दी या फिर किसी विदेशी भाषा के लिए की जाती है. इसके अंतर्गत काम करने वाली संस्थाओं को केपीओ यानी नॉलेज प्रोसेसिंग आउटसोर्सिंग कहा जाता है.

योग्यता

वैसे तो टीचिंग के कारोबार में जाने के लिए बीएड, एमएड, पीएचडी के साथ टीईटी, नेट आदि परीक्षा पास करनी होती है लेकिन ऑन लाइन ट्यूटर्स के लिए ज्यादातर कंपनियां मास्टर डिग्रीधारकों को ही प्रमुखता देती हैं. इसके लिए भाषा का अच्छा ज्ञान और विषय पर अच्छी पकड़ होनी चाहिए. व्यक्तिगत गुण टीचिंग के प्रति पैशन होना जरूरी है. भाषा पर अच्छी पकड़ होनी चाहिए. जिस भी देश के स्टूडेंट को ऑनलाइन ट्यूटरिंग करना होता है, उन्हें पाठ्यक्रम, उनके सीखने का तरीका और अन्य जानकारी होनी जरूरी है. करेंट सिलेबस से अपने आपको अप-टू-डेट रखना जरूरी है. ऑनलाइन ट्यूटर्स के पास अपना कंप्यूटर, ब्रॉडबैंड कनेक्शन, माइक्रोफोन, हेडफोन, डिजिटल पेन, कंप्यूटर अटैच इलेक्ट्रॉनिक बोर्ड या शेयर स्क्रीन व वेब कैमरा वीडियो चैट के लिए होना जरूरी है.

रोजगार

ऑनलाइन ट्यूटरिंग को ई-ट्यूटरिंग भी कहा जाता है. इसकी मांग प्रत्येक ट्रेनिंग कंपनियों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में होती है जहां पर ऑनलाइन क्लासेज चलाई जाती हैं. इसमें कुछ हद तक पार्टटाइम और कुछ लोग स्थायी रूप से भी काम करते हैं. कुछ कंपनियां घर से भी काम करने की आजादी देती हैं. इसमें समयावधि के लिए कोई भी सीमा नहीं होती है. लोग अपनी सुविधा के अनुसार समय निर्धारित करा सकते हैं. इसमें महिलाओं और रिटार्यड लोगों के लिए अच्छे ऑप्शन हो सकते हैं.

कैसे प्राप्त करें जॉब

इंटरनेट के माध्यम से ऑनलाइन ट्यूटोरियल सर्विस सेंटर पर अप्लाई करना पड़ता है. फिर टेलीफोनिक इंटरव्यू और आवश्यकता पड़ने पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा कंडीडेट का चुनाव किया जाता है. ज्यादातर कंपनियां ऐसे ट्यूटर्स हायर करती हैं जो लैंग्वेज स्किल्ड, एक्सेंट एक्सपर्ट और प्रोफेशनल कोर्स में महारथ होते हैं. जो कंपनियां इस तरह के सेंटर चलाती हैं वे सारी जिम्मेदारियां जैसे स्टूडेंट्स, उनका लेटेस्ट सिलेबस, टाइमटेबल और कोर्स का ट्यूटर्स भी वही निर्धारित करती हैं.

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षा के लिए भी ऑनलाइन ट्यूटर्स की मांग होती है. प्राइवेट कंपनियों के अलावा विभिन्न शिक्षण संस्थानों द्वारा चलाई जा रही ऑनलाइन पढ़ाई के लिए ट्यूटर्स की मांग होती है. अच्छे अनुभव के आधार पर स्वयं का ट्यूटरिंग सेंटर खोला जा सकता है. ऑनलाइन सेमिनार, वर्कशॉप आदि के लिए भी अच्छी-खासी मांग होती है.

इस रोजगार में आमदनी बहुत ज्यादा होती है. घंटे के आधार पर आमदनी तो होती ही है. साथ ही, एक्स्ट्रा वर्क के भी पैसे मिलते हैं. इसके अलावा, मासिक सैलरी पर भी ट्यूटर्स हायर किए जाते हैं.

सॉफ्टवेयर आर्किटेक्चर सुनहरे भविष्य की राह

सॉफ्टवेयर आर्किटेक्ट ऐसे पेशेवर होते हैं जो सॉफ्टवेयर के स्ट्रक्चरल डिजाइन, सिस्टम का कॉमन लेआउट, इंफ्रास्ट्रक्चर, टेक्नोलॉजी और फ्रेमवर्क को डेवलप करते हैं. ये प्रोफेशनल्स इनफॉर्मेशन सिस्टम में बिजनेस प्रोसेस को समझते हुए आर्किटेक्चर को डिजाइन में रणनीतिक रूप में तैयार करते हैं.

आज की दुनिया में हमारे अस्तित्व का अनिवार्य हिस्सा बन चुका है सॉफ्टवेयर प्रोग्राम, जो हवाई यातायात के नियंत्रण से लेकर मोबाइल फोन तक में मौजूद रहता है. ऐसी कई संस्थाएं हैं जो आज सॉफ्टवेयर के कारण ही वजूद में हैं. यहां तक की अब पब्लिक फाइनेंस और रिटेल सेक्टर भी सॉफ्टवेयर पर निर्भर हो चुके हैं. इस तरह की कंपनियों के अस्तित्व को बनाये रखने के लिए हमेशा उन्नत और सस्ते सॉफ्टवेयर की जरूरत रहती है. सॉफ्टवेयर प्रोग्राम का आर्किटेक्चर इन सभी बातों पर खासा असर डालता है. यही वजह है कि वर्तमान में करियर के रूप सॉफ्टवेयर आर्किटेक्चर लोगों की खास पसंद बनते जा रहे हैं. सॉफ्टवेयर आर्किटेक्ट ऐसे पेशेवर होते हैं जो सॉफ्टवेयर के स्ट्रक्चरल डिजाइन, सिस्टम का कॉमन लेआउट, इंफ्रास्ट्रक्चर, टेक्नोलॉजी और फ्रेमवर्क को डेवलप करते हैं. ये प्रोफेशनल्स इनफॉर्मेशन सिस्टम में बिजनेस प्रोसेस को समझते हुए आर्किटेक्चर को डिजाइन में रणनीतिक रूप में तैयार करते हैं.

सॉफ्टवेयर आर्किटेक्ट और सॉफ्टवेयर इंजीनियर में फर्क

सॉफ्टवेयर आर्किटेक्ट और सॉफ्टवेयर इंजीनियर, दोनों प्रोफेशनल्स एक ही क्षेत्र यानी सॉफ्टवेयर प्रोग्रामिंग में काम करते हैं. हालांकि वे एक ही क्षेत्र में काम करते हैं फिर भी दोनों की जॉब प्रोफाइल कई मायनों में भिन्न होती है. सॉफ्टवेयर इंजीनियर के कार्य क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न टास्क के लिए डिजाइनिंग, कोडिंग औ रसॉफ्टवेयर के निष्पादन के कार्य होते हैं जबकि सॉफ्टवेयर आर्किटेक्ट सॉफ्टवेयर के संपूर्ण डेवलपमेंट का डिजाइन तैयार करता है लेकिन उनके कार्यक्षेत्र में कोडिंग शामिल नहीं होती. सॉफ्टवेयर आर्किटेक्ट अपने क्लाइंट्स से बात करके उनकी आवश्यकताओं को समझता है वहीं सॉफ्टवेयर इंजीनियर का काम सॉफ्टवेयर आर्किटेक्चर के इंस्ट्रक्शन का पालन करना होता है.

योग्यता - सॉफ्टवेयर आर्किटेक्ट बनने के लिए कैंडीडेट को सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग या कम्प्यूटर साइंस में ग्रेजुएशन के बाद लेटेस्ट सॉफ्टवेयर पैकेज की पढ़ाई करनी होती है. इस क्षेत्र से संबंधित पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्स भी करियर को ऊंचाई तक पहुंचाने में सहायता करता है. किसी भी सॉफ्टवेयर इंजीनियर के लिए जरूरी है कि वह नये सॉफ्टवेयर लैंग्वेजेज से अप-टू-डेट रहे. सफलता के लिए 10+2 की पढ़ाई मान्यता प्राप्त बोर्ड से करें. इसके बाद कम्प्यूटर साइंस या सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन कोर्स कम्पलीट करें. उस सॉफ्टवेयर पैकेज में शामिल हों जिसे पढ़ने और उस क्षेत्र में काम करने में दिलचस्पी रखते हों.

संभावनाएं - सॉफ्टवेयर आर्किटेक्ट के रूप में कैंडीडेट कम्प्यूटर, आईटी और सॉफ्टवेयर इंडस्ट्री से संबंधित सरकारी या प्राइवेट सेक्टर की किसी भी कंपनी में अवसर पा सकता है. अगर कैंडीडेट के पास सॉफ्टवेयर डिजाइन और एनालिसिस में प्रोफेशनल एक्सपीरियंस है तो और भी बेहतर अवसर मिल सकते हैं. आर्किटेक्ट चाहे तो सॉफ्टवेयर इंस्टीट्यूट्स, आईटी इंडस्ट्री के साथ ही कम्प्यूटर कोचिंग सेंटर में भी रोजगार पा सकते हैं. ऐसे क्षेत्र जिनमें एप्लीकेशंस और मोबाइल डिवाइस भी शामिल हैं, में दिन-ब-दिन बढ़ते सॉफ्टवेयर प्रोग्राम्स की मांग के कारण सॉफ्टवेयर आर्किटेक्ट के सामने ढेरों विकल्प मौजूद हैं. इस क्षेत्र में सफलता के लिए कैंडीडेट में क्रिएटिविटी, कस्टमर सर्विस स्किल, विश्लेषण और समस्याओं को समाधान करने की क्षमता बेहद जरूरी है. कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में उच्च शिक्षा भी अतिरिक्त लाभ देता है. यह ऐसा क्षेत्र है जिसमें वेतन भी उच्च स्तर का मिलता है.

वेतन - एक सॉफ्टवेयर आर्किटेक्ट की सालाना आय औसतन 10,00,000 रुपये तक हो सकती है जबकि सिस्टम सॉफ्टवेयर डेवलपर्स की 12,50,000 रुपये सालाना कमाई हो जाती है. उच्च शिक्षा का विकल्प सॉफ्टवेयर आर्किटेक्चर कम्पिटीटिव क्षेत्र है, लेकिन इसमें उच्च शिक्षा हासिल करने पर कैंडीडेट्स को वरीयता मिलती है. कैंडीडेट चाहे तो खुद को सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट के लिए सर्टिफिकेशन प्रोग्राम में नामांकन करके सर्टिफाइड डेवलपर बन सकता है.

व्यक्तिगत योग्यता

सॉफ्टवेयर आर्किटेक्ट वह होता है जो भिन्न-भिन्न सॉफ्टवेयर लैंग्वेज पढ़ता है और सॉफ्टवेयर आर्किटेक्चर का काम करता है. सॉफ्टवेयर लैंग्वेजेज की अच्छी जानकारी के साथ सॉफ्टवेयर आर्किटेक्ट को इंटैलेक्चुअल नॉलेज की भी जरूरत होती है जिससे वह सॉफ्टवेयर डिजाइन बना सके. करियर की शुरुआत करने के बाद भी उन्हें नये लैंग्वेजेज पढ़ते रहने की जरूरत होती है.

संस्थान

पुणे यूनिवर्सिटी, पुणे महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी
मेघालय कालीकट यूनिवर्सिटी, केरल

आइआइएम में दाखिला लेने का सपना देखनेवाले अभ्यर्थियों के लिए समय आ गया है कि वे परीक्षा के लिए कमर कस लें. कैट के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो चुका है. रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया सावधानी से पूरी कर रणनीति के साथ तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुट जाएं.

एक्यूरेसी से ही मिलेगी कैट में कामयाबी



कॉमन एडमिशन टेस्ट (कैट) की महत्वपूर्ण तिथियों की घोषणा पहले ही हो चुकी है. कैट 2013 के आयोजन की जिम्मेदारी इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, इंदौर के पास है. पिछले वर्ष हुई दिक्कतों के मद्देनजर इस बार कंप्यूटर बेस्ड पेपर की सुरक्षा और बढ़ा दी गयी है. 5 अगस्त से इसके वाउचर मिलने लगे हैं. विशेषज्ञों का मानना है कि एक्यूरेसी ही इस परीक्षा में कामयाबी का मूल मंत्र है.

कैट कठिन और प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं में से एक है. साल में एक बार होनेवाली इस परीक्षा से विभिन्न आइआइएम के अलावा कई नामी-गिरामी संस्थानों में मैनेजमेंट के कोसरें में दाखिला होता है. एमबीए करने की इच्छा रखनेवाले अभ्यर्थियरें के लिए आइआइएम सर्वोत्तम विकल्प है. यहां दाखिला पाने की पहली सीढ़ी है कैट. इस कंप्यूटर लिखित परीक्षा के बाद बारी आती है ग्रुप डिस्कशन (जीडी) और साक्षात्कार की. आइये जानते हैं कैट 2013 के बारे में कुछ खास तथ्य, साथ ही यह भी कि इसमें कामयाबी के लिए किन-किन बातों का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए.

योग्यता पर करें गौर

इस परीक्षा के लिए किसी भी स्ट्रीम के विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं. न्यूनतम योग्यता स्नातक है, जिसमें कम से कम 50 प्रतिशत अंक होने चाहिए. स्नातक के अंतिम वर्ष के विद्यार्थी भी आवेदन कर सकते हैं, यदि उनके स्नातक के पहले दोनों वर्ष में कुल 50 प्रतिशत या उससे अधिक अंक हों.

पेपर का स्वरूप

पेपर मुख्यता दो भागों में बंटा होता है. पहला भाग क्वांटिटेटिव एबिलिटी और डेटा इंटरपेट्रेशन, दूसरा भाग वर्बल एबिलिटी और लॉजिकल रीजनिंग का होता है. हर भाग में 30-30 प्रश्न होते हैं. दोनों भागों को हल करने के लिए 70-70 मिनट का समय दिया जाता है. इसके अलावा 15 मिनट का ट्यूटोरियल भी दिया जाता है. इसे छात्रों को कंप्यूटर और बाकी सिस्टम को समझने में देना चाहिए. विशेषज्ञों के मुताबिक यह समय बहुत कीमती होता है. इस दौरान छात्र खुद को मानसिक रूप से तैयार करें. इसके बाद मुख्य परीक्षा होती है. इस प्रकार, यह परीक्षा कुल दो घंटे 35 मिनट की होती है, जिसमें ट्यूटोरियल का समय शामिल है.

एक भाग की परीक्षा एक बार में होती है. सभी 30 प्रश्न उसी भाग के होते हैं. इसे पूरी तरह खत्म होने के बाद ही अगले सेक्शन की परीक्षा आरंभ होती है. बिना एक भाग पूरा किये दूसरे में नहीं जा सकते और न ही एक बार एक सेक्शन सबमिट करने के बाद उसे दोबारा देख सकते हैं. पूरी परीक्षा के दौरान किसी प्रकार का कोई ब्रेक नहीं मिलता. रफ काम करने, जोड.ने-घटाने या दूसरे कायरें के लिए एक



स्क्रेच पेपर, इरेजर और पेंसिल सेंटर द्वारा दी जाती है. दो घंटे 35 मिनट का समय एग्जामिनेशन रूम में गुजारना अनिवार्य है. कंप्यूटर स्क्रीन पर पूरे समय एक टाइमर चलता है, जो यह बताता है कि परीक्षा खत्म होने में कितना समय रह गया है. इसे ऑन स्क्रीन टाइमर कहते हैं.

कैसे करें तैयारी

कैट अपने अप्रत्याशित स्वभाव के लिए जानी जाती है. बेहतर यह है कि तैयारी के दौरान पिछले वर्षों के पेपर देखें. उनसे अभ्यास करें. पहले से अलग अब कैट पास करने के लिए स्पीड की उतनी जरूरत नहीं है, जितनी एक्यूरेसी की. प्रश्नों की संख्या कम कर दी गयी है, पर जरूरी है कि जो प्रश्न करें वे सही हों. चयन के लिए कम से कम दोनों भागों में से 22-23 उत्तर ठीक होने चाहिए. चयन परसेंटाइल के हिसाब से होता है. इसलिए अभ्यर्थी न सिर्फ अच्छा करें, बल्कि अपने समूह में दूसरों से अच्छे नंबर लाएं. याद रखें कि बहुविकल्पीय प्रश्नों में चार विकल्प दिये होते हैं, जिनमें से एक सही होता है. हर सही उत्तर पर तीन अंक मिलते हैं और गलत उत्तर पर एक अंक कटता है. निगेटिव मार्किंग होने के कारण जो प्रश्न नहीं आएं उन्हें छोड. दें. विशेषज्ञों का कहना है कि परीक्षा पास करने के लिए कांसेप्ट क्लियर होना बहुत जरूरी है, वहीं लॉजिक का भी अपना महत्व है. इस पेपर में गणित का टेस्ट न होकर लॉजिकल टेस्ट होता है. परीक्षा में गौर किया जाता है कि आवेदकों में समस्या सुलझाने की समझ है या नहीं. रीडिंग पर विशेष ध्यान दें. खूब पढे. और अभ्यास करें. अर्थमेटिक, एल्जेब्रा और ज्योमेट्री क्लियर रखें. पुराने कैट के पेपर देखें. ज्यादा से ज्यादा टेस्ट दें. समूह में पढ़ाई करें, ताकि यह जान पाएं कि बाकी उम्मीदवारों के बीच आप कहां खडे. हैं. प्रमुख अंगरेजी, हिंदी अखबारों के संपादकीय पढे.. इंटरनेट से जितना ज्यादा मुमकिन हो सके, अच्छे कंटेंट जुटाएं और उसे पढे.. अपनी तैयारी के लिए फंटलाइन, इंडिया टुडे और बिजनेस वर्ल्ड जैसी मैगजीन की मदद भी ले सकते हैं।

न्यूज इन शॉर्ट

आंगन मिलन उत्सव में पोषण, स्वास्थ्य और शिक्षा के प्रति जागरूकता का दिया गया संदेश

गरियाबंद। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्र दर्रापारा में 'आंगन मिलन उत्सव' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य एवं शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ विभागीय योजनाओं का प्रचार-प्रसार करना तथा आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से समुदाय की सहभागिता को और मजबूत करना रहा। कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आंगनबाड़ी सहायिकाओं एवं मितानिनों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर गर्भवती महिलाओं की गोदभराई तथा छह माह की आयु पूर्ण कर चुके बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार कराया गया। साथ ही उत्कृष्ट स्वास्थ्य एवं पोषण स्थिति वाले दो बच्चों को स्वस्थ बालक-बालिका पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत गरियाबंद की उपाध्यक्ष श्रीमती लालिमा ठाकुर, जनपद पंचायत गरियाबंद के अध्यक्ष श्री सोहन ध्रुव, उपाध्यक्ष श्री लेखराम साहू, महिला एवं बाल विकास सभापति श्रीमती बबीता सेन, जनपद पंचायत सदस्य श्री मुकेश सूर्यवंशी एवं श्री गणेशराम ध्रुव, वरिष्ठ नागरिक श्रीमती बिंदू सिन्हा, डोंगरीगांव की सरपंच श्रीमती नगीता दीवान सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री वरुण नागेश, परियोजना अधिकारी श्री ऋषि बंजारे सहित विभागीय कर्मचारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं तथा नागरिकगण उपस्थित रहे।

जिला पंचायत परिसर में गूंजा स्वच्छता का संदेश, 'एक दिन-एक घंटा-एक साथ' थीम पर हुआ श्रमदान

स्वगरियाबंद । स्वच्छता ही सेवा एवं सेवा संकल्प पखवाड़े के अंतर्गत आज जिला पंचायत गरियाबंद परिसर में 'एक दिन-एक घंटा-एक साथ' थीम पर स्वच्छता श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री गौरीशंकर कश्यप, उपाध्यक्ष श्रीमती लालिमा ठाकुर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री प्रखर चंद्राकर के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत परिसर में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने एकजुट होकर स्वच्छता श्रमदान किया। परिसर के विभिन्न हिस्सों की साफ-सफाई करते हुए कचरे का उचित संकलन एवं निस्तारण किया गया। इस दौरान सभी ने स्वच्छ एवं सुंदर परिसर बनाए रखने तथा स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया।इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री गौरीशंकर कश्यप ने कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि निरंतर अपनाई जाने वाली जीवनशैली है।

एक ही परिसर में कक्षाओं के साथ छात्रावास, प्रयोगशाला, पुस्तकालय, कंप्यूटर और खेल सुविधाओं का मिलेगा लाभ

आदिवासी विद्यार्थियों को मिलेंगी आधुनिक शिक्षा और आवासीय सुविधाएं, जशपुर में एकलव्य विद्यालयों के नए भवनों का निर्माण तेज

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर जशपुर जिले में आदिवासी विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आधुनिक शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों के नए भवनों का निर्माण तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। फरसाबहार और कांसाबेल विकासखंड के ढुढरूडांड में सर्वसुविधायुक्त विद्यालय परिसरों का निर्माण किया जा रहा है। इनके पूर्ण होने के बाद विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण के साथ आवासीय, प्रयोगशाला, पुस्तकालय, कंप्यूटर, खेल सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं एक ही परिसर में उपलब्ध होंगी।नए भवनों में विद्यार्थियों की शैक्षणिक आवश्यकताओं के साथ उनके सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। इससे दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों के आदिवासी विद्यार्थियों को आधुनिक संसाधनों के बीच अध्ययन करने के साथ अपनी प्रतिभा और कौशल को निखारने के बेहतर अवसर मिलेंगे।

बटाईकेला से नए सर्वसुविधायुक्त परिसर में संचालित होगा विद्यालय

कांसाबेल क्षेत्र में वर्तमान में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय का संचालन बटाईकेला में किया जा रहा है। नए परिसर का निर्माण पूर्ण होने के बाद विद्यालय को विस्तृत एवं आधुनिक भवन में संचालित किया जाएगा। नए परिसर में कक्षाओं के साथ प्रयोगशाला, पुस्तकालय, कंप्यूटर आधारित शिक्षण, छात्रावास और खेल गतिविधियों के लिए आवश्यक सुविधाएं विकसित की जा रही हैं।इन सुविधाओं से विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ प्रयोगात्मक शिक्षा, तकनीकी ज्ञान, पठन-पाठन तथा खेल गतिविधियों में आगे बढ़ने के बेहतर अवसर मिलेंगे।



शिक्षा के साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर जोर

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों के माध्यम से दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों के आदिवासी विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ बेहतर आवासीय एवं शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है। नए भवनों के तैयार होने के बाद विद्यार्थियों को एक ही परिसर में शिक्षा, आवास, भोजन, खेल और सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों से जुड़ी सुविधाएं मिल सकेंगी।

इससे विद्यार्थियों के लिए अध्ययन का अनुकूल वातावरण तैयार होने के साथ उनके शैक्षणिक, रचनात्मक और सह-पाठ्यचर्या कौशल के विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

खेत में मिली मासूम के लिए आगे आए पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री अग्रवाल, उपचार और सुरक्षा के दिए निर्देश

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

सरगुजा जिले के दरिमा क्षेत्र में खुले खेत में असहाय अवस्था में मिली नवजात बच्ची की खबर सामने आने के बाद पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने मामले का संज्ञान लेते हुए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से बच्ची के स्वास्थ्य और उपचार की जानकारी ली। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से फोन पर चर्चा कर नवजात को समुचित उपचार उपलब्ध कराने तथा उसकी सुरक्षित देखरेख सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

श्री अग्रवाल ने अधिकारियों से कहा कि इतनी छोटी बच्ची के उपचार और देखभाल में किसी भी स्तर पर कोई कमी नहीं होनी चाहिए। बच्ची को लगातार चिकित्सकीय निगरानी में रखते हुए आवश्यकता के अनुसार हर संभव चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए। साथ ही उसकी सुरक्षा और आगे के



संरक्षण के लिए संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। घटना की जानकारी मिलने पर श्री अग्रवाल ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि एक नवजात बच्ची का इस तरह असहाय अवस्था में मिलना बेहद पीड़ादायक है। इस समय सबसे महत्वपूर्ण उसका जीवन, स्वास्थ्य और सुरक्षा है। बच्ची को केवल बेहतर उपचार ही नहीं, बल्कि सुरक्षित वातावरण और भविष्य के लिए आवश्यक संरक्षण भी मिलना चाहिए।

हर पर्व पर दोगुनी हो रही खुशियां, महतारी वंदन बना सरिता का आर्थिक

सेवा संकल्प अभियान 2026 ⁃ सेवा की कहानी ⁃ हर पर्व पर दोगुनी हो रही खुशियां, महतारी वंदन बना सरिता का आर्थिक सहारा

हर माह मिल रहे एक हजार रुपये ने बढ़ाया आत्मविश्वास, आयमूलक गतिविधियों से अब 10 से 12 हजार रुपये तक हो रही मासिक आय

परिवार की जरूरतें खुद पूरी कर रहीं सरिता यादव, आत्मनिर्भरता की ओर बढ़े कदम

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

महतारी वंदन योजना महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता देकर उनके जीवन में आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की नई राह खोल रही है। जशपुर जिले की श्रीमती सरिता यादव के लिए भी योजना से मिलने वाली राशि आर्थिक संबल बनी है। नियमित सहायता और अपनी मेहनत से की जा रही आयमूलक गतिविधियों के जरिए अब वे परिवार की जरूरतों को पूरा करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।सरिता बताती हैं कि पहले घर की छोटी-बड़ी आर्थिक जरूरतों के लिए उन्हें दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था। नियमित आय



का साधन नहीं होने के कारण त्योहारों और विशेष अवसरों पर परिवार की अतिरिक्त जरूरतों को पूरा करना भी मुश्किल होता था। ऐसे समय में सीमित संसाधनों के बीच खर्च का प्रबंधन करना उनके लिए बड़ी चुनौती थी। महतारी वंदन ने दिया सहारा, मेहनत ने बढ़ाई आय महतारी वंदन योजना से जुड़ने के बाद सरिता को प्रतिमाह एक हजार रुपये की नियमित आर्थिक सहायता मिलने लगी। इस राशि ने उन्हें अपनी जरूरतों के लिए आर्थिक सहारा दिया। इसके साथ ही उन्होंने स्वयं को आयमूलक गतिविधियों से जोड़कर अपनी आमदनी बढ़ाने की दिशा में भी कदम बढ़ाए। आज महतारी वंदन से मिलने वाली सहायता और अन्य आयमूलक गतिविधियों से उनकी मासिक आय लगभग 10 से 12 हजार रुपये तक हो जाती है। इससे परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूती मिली है और वे घर की आवश्यकताओं को पहले की तुलना में अधिक सहजता से पूरा कर पा रही हैं। अब त्योहारों पर जरूरतों की चिंता कम, खुशियां हुईं दोगुनी सरिता के लिए इस आर्थिक बदलाव का असर त्योहारों और विशेष अवसरों पर भी दिखाई देता है। वे बताती हैं कि पहले पर्व-त्योहार आने पर अतिरिक्त खर्च की चिंता रहती थी, लेकिन अब अपनी आय होने से परिवार की जरूरतों को पूरा करने में पहले जैसी परेशानी नहीं होती।

